RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 210 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 26-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पूर्वोत्तर के लोगों पर अत्याचार सहन नहीं किया जायेगा : रीजीजू

6 बांग्लादेश की नई सरकार में दो हिंदू मंत्री शामिल

7 रियलिटी शो 'द 50' से बाहर आकर मोनालिसा ने लिखा इमोशनल नोट

फर्स्ट टेक

ईरान ने ट्रंप की 'दबाव रणनीति' का विरोध किया

दुबई/एपी। अमेरिका की ओर से बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती के बीच ईरान ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव बनाने की रणनीति का कड़ा विरोध किया। यह विरोध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में होने वाली अहम वार्ता से पहले किया गया है। ईरान ने ट्रंप के बयानों को कभी 'बड़ा झूठ' बताया तो कभी कहा कि 'सम्मानजनक कूटनीति' के जरिये वार्ता से समझौता हो सकता है। बृहस्पतिवार को होने वाली वार्ता से पहले दो ईरानी अधिकारियों की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका ने दशकों बाद मध्य पूर्व में विमानों और युद्धपोतों की इतनी बड़ी तैनाती की है। ये तैनाती ट्रंप के उन प्रयासों का हिस्सा है जिनके तहत वे ईरान के साथ समझौता करना चाहते हैं, जबकि ईरान पिछले महीने हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद बढ़ते असंतोष से जूझ रहा है।

भाजपा सांसद ने दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने का आग्रह किया। खंडेलवाल का कहना है कि यह नाम शहर की सच्ची ऐतिहासिक जड़ों और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा केरल का नाम बदलकर केरलम करने की मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद दिल्ली के चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य ने शाह को लिखे एक पत्र में कहा कि महाभारत में इंद्रप्रस्थ को यमुना नदी के किनारे निर्मित एक भव्य शहर के रूप में वर्णित किया गया है, जो आधुनिक दिल्ली की भौगोलिक स्थिति से बिल्कुल मेल खाता है।

एक अप्रैल से न्यूनतम 95 रॉन वाले ई20 पेट्रोल की बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने एक अप्रैल, 2026 से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण और न्यूनतम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर (रॉन) वाले पेट्रोल की बिक्री अनिवार्य कर दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 17 फरवरी की एक अधिसूचना में कहा, ''केंद्र सरकार निर्देश देती है कि पेट्रोलियम कंपनियां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भारतीय मानक ब्यूरो के विनिर्देशों के अनुसार 20 प्रतिशत तक एथनॉल के साथ मिश्रित मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) की बिक्री करेंगी, जिसका न्यूनतम रिसर्च ऑक्टेन नंबर (रॉन) 95 होगा।''

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक अडिग नीति अपनाता है भारत

गाजा शांति योजना का समर्थन करता है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इजराइल की तरह, भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है।

मोदी ने इजराइल की संसद 'नेसेट' को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों की हत्या और आतंकवाद को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए निरंतर और समन्वित वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता है, क्योंकि दुनियाभर में कहीं भी आतंकवाद शांति के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि इस समय भारत पूरी दृढ़ता के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए ''बर्बर आतंकवादी हमले'' की निंदा की और कहा, ''हम आपके दर्द को महसूस करते हैं, हम आपके शोक में आपके साथ हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत गाजा में शांति की पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, ''शांति का मार्ग हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन भारत इस क्षेत्र में संवाद, शांति और स्थिरता के लिए आपके और विश्व के साथ खड़ा है।'' मोदी ने कहा, ''मैं 1.4 अरब भारतीयों की ओर से शुभकामनाएं और मित्रता, सम्मान और साझेदारी का संदेश लेकर आया हूं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सहभागिता का दायरा और विस्तार बढ़ा है और हम कई क्षेत्रों में इस संबंध को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' मोदी के संसद में पहुंचने पर सांसदों ने अपने स्थानों पर खड़े होकर 'मोदी-मोदी' के नारे लगाये और उनके भाषण के दौरान कई बार उन्होंने मेजें थपथपाकर प्रधानमंत्री की कई बातों का समर्थन किया।

प्रधानमंत्री को इजराइल के 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' प्रदान किया गया

यरुशलम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में उनके असाधारण योगदान के लिए बुधवार को 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री यह पदक पाने वाले पहले नेता हैं। यह इजराइली संसद 'नेसेट' का सर्वोच्च सम्मान है।

सशस्त्र बलों को हटकर 'इंटेलिजेंट' युद्ध की तरफ बढ़ना होगा : सीडीएस चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रमुख रक्षाध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान ने कहा है कि जैसे-जैसे युद्ध का विस्तार भौतिक से कृत्रिम और संज्ञानात्मक क्षेत्रों तक हो रहा है, सशस्त्र बलों को नेटवर्क केंद्रित अभियान से 'इंटेलिजेंट युद्ध' की ओर बढ़ना होगा, और 'मल्टी-डोमेन ऑपरेशन' (एमडीओ) से निकल कर 'ऑल रिल्म ऑल डोमेन ऑपरेशंस' (एआरएडीओ) की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे।

'इंटेलिजेंट युद्ध' से आशय कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी कई आधुनिक तकनीकी के साथ-साथ कुशल रणनीति पर आधारित युद्ध से है।

रक्षा मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में उन्होंने परमाणु-रहित रणनीतिक प्रतिरोध स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिससे हर स्तर पर संघर्ष में जीत हासिल करने की क्षमता सुनिश्चित हो सके।

जनरल चौहान ने 24 फरवरी को 'कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट' (सीडीएम) में 'मल्टी-डोमेन इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजिकली-एम्पावर्ड रेजिलिएंट आर्म्ड फोर्सेज' (एमआईटीआरए) विषय पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन में अपना उद्घाटन भाषण दिया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीडीएस ने 'सैन्य मामलों में तीसरी क्रांति' पर प्रकाश डाला, जिसकी विशेषता विभिन्न प्रकार के हथियारों, रणनीतियों और कौशल का मेल है। यह संघर्ष के सभी स्तरों पर संपर्क और गैर-संपर्क, 'काइनेटिक' और 'गैर-काइनेटिक', तथा पुराने एवं नए डोमेन को एकीकृत करता है।

काइनेटिक युद्ध के तहत भौतिक हमला आता है, जबकि गैर काइनेटिक युद्ध के तहत सूचना, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक पर आधारित अप्रत्यक्ष हमला किया जाता है।

जनरल चौहान ने कहा, ''युद्ध का जैसे-जैसे भौतिक से कृत्रिम एवं संज्ञानात्मक क्षेत्रों तक विस्तारित हो रहा है, भारतीय सशस्त्र बलों को नेटवर्क-केंद्रित अभियानों से हटकर 'इंटेलिजेंट युद्ध' की ओर अग्रसर होने और एमडीओ से आगे बढ़कर एआरएडीओ की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।'' सीडीएम ने 24 और 25 फरवरी को हैदराबाद स्थित 'इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस' (आईएसबी) की भागीदारी में इस वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया।

राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के 'पोस्टर ब्वॉय' बन गए हैं : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी देश के हितों से ''समझौता करती'' रही है और भारत विरोधी ताकतों के इशारे पर देश की प्रगति को अस्थिर करने के लिए ''झूठ'' फैला रही है।

गोयल ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि गांधी और कांग्रेस देश की अर्थव्यवस्था और उसकी प्रगति को ''कमजोर करने, नुकसान पहुंचाने और अस्थिर करने'' के लिए ''ओछी राजनीति'' कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, ''वह भारत-विरोधी ताकतों, भारत-विरोधी संगठनों और भारत-विरोधी सरकारों की कठपुतली के सिवा कुछ नहीं है। गांधी परिवार पूरी तरह से 'कम्प्रोमाइज्ड' (समझौता कर चुका) परिवार है और कांग्रेस एक 'कम्प्रोमाइज्ड' राजनीतिक दल है।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के पोस्टर ब्वॉय बन गए हैं।''

भाजपा का यह आरोप कांग्रेस द्वारा भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार पर हमला करने और इसे राष्ट्रीय हित का ''पूर्ण आत्मसमर्पण'' और ''विश्वासघात'' करार देने की पृष्ठभूमि में आया है।

भोपाल में मंगलवार को कांग्रेस की ओर से आयोजित 'किसान महाचौपाल' को संबोधित करते हुए पार्टी के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा था, ''नरेन्द्र मोदी 'कम्प्रोमाइज्ड (झुक गये)' हैं। उनको फंसा दिया गया है। नरेन्द्र मोदी ने दबाव में आकर यह करार किया है। यह डील (करार) नहीं है, यह किसान के दिल में तीर है।''

गोयल ने कांग्रेस नेता के दावे को ''झूठा'' बताते हुए खारिज कर दिया और उन पर राष्ट्रविरोधी ताकतों के इशारे पर देश के हितों को नष्ट करने के लिए लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

आईएनएस अंजदीप आज नौसेना में शामिल होगा

चेन्नई/भाषा। भारतीय नौसेना तटीय सुरक्षा को और सुदृढ़ करने की दिशा में 27 फरवरी को चेन्नई बंदरगाह पर 'डॉल्फिन हंटर' पोत आईएनएस अंजदीप को तैनात करने जा रही है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह पोत 'एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित अंजदीप एक अत्याधुनिक युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से तटीय और उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऐसे क्षेत्र देश की समुद्री सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी शुक्रवार को यहां आईएनएस अंजदीप के कमीशनिंग समारोह में भाग लेंगे।

ईडी ने अनिल अंबानी के मुंबई के घर 'एबोड' को कुर्क किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर 'एबोड' को कुर्क कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716 करोड़ रुपए है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुंबई के पाली हिल इलाके में स्थित 66 मीटर ऊंचा यह आलीशान घर 17 मंजिला है।

सूत्रों के अनुसार, उनके समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में इस बहुमंजिला घर को कुर्क किया गया। ऐसा करने के लिए धन शोधन रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपए है।

औषधीय पौधे मिट्टी के स्वास्थ्य और किसानों के लिए फायदेमंद : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न केवल सरकार बल्कि सभी को बेहतर स्वास्थ्य के लिए औषधीय पौधों उगाने की दिशा में काम करना चाहिए।

बुलढाणा (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि औषधीय पौधों की खेती न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करती है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य और संरक्षण में भी योगदान देती है। महाराष्ट्र के बुलढाणा स्थित शेगांव में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 के उद्घाटन के बाद मुर्मू ने यह भी कहा कि औषधीय पौधों का ''मूल्यवान भंडार'' न केवल दवाओं के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी आवश्यक है।

आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) ने अखिल भारतीय आयुर्वेदिक महासम्मेलन के सहयोग से 25 से 28 फरवरी के बीच यहां राष्ट्रीय आरोग्य मेले का आयोजन किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह आयुर्वेद को बढ़ावा देती हैं और आयुर्वेदिक जीवनशैली को अपनाया है। उन्होंने बताया कि उनका जन्म और पालन-पोषण प्रकृति की गोद में हुआ है।

मुर्मू ने कहा, ''कहा जाता है कि प्रकृति शरीर की सभी जरूरतों का ख्याल रखती है। लेकिन समय बदल गया है और आज हमें दवाओं के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि जंगल लुप्त होते जा रहे हैं। जंगलों को जलाया जा रहा है और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां एवं औषधीय पौधे भी खत्म हो रहे हैं। इसलिए, आज मुझे लगता है कि न केवल सरकार बल्कि सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और बेहतर स्वास्थ्य के लिए औषधीय पौधों उगाने की दिशा में काम करना चाहिए।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आयुर्वेद शोधकर्ताओं को भी औषधीय पौधे प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने सरकार पर निर्भरता के बिना औषधीय पौधों की खेती की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रपति ने कहा, ''भारतीय परंपरा कहती है 'आरोग्यम परम सुखम', जिसका अर्थ है कि समग्र स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। स्वस्थ नागरिक देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।'' उन्होंने कहा कि देशवासियों को स्वस्थ रखने में आयुष चिकित्सा पद्धतियों ने अमूल्य योगदान दिया है तथा योग, आयुर्वेद और सिद्ध जैसी चिकित्सा पद्धतियां उस समय से लोगों के काम आ रही हैं जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति का प्रचलन नहीं था।

राष्ट्रपति ने कहा, ''हमारे खेतों, रसोई घरों और जंगलों में औषधीय पौधों और स्वास्थ्यवर्धक जड़ी-बूटियों का बहुमूल्य भंडार मौजूद है।

रंगोत्सव 2026:

नंदगांव के हुरियारों पर बरसाना में बरसीं प्रेम की लाठियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राधा रानी की नगरी बरसाना बुधवार को पूरी तरह से 'रंगोत्सव' के उल्लास में डूबी नजर आई। शाम करीब पांच बजे विश्व प्रसिद्ध लठामार होली खेली गई, जहां नंदगांव के हुरियारों पर बरसाने की हुरियारिनों ने प्रेम की लाठियां बरसाईं। छतों से लेकर सड़क तक हर कोना अबीर-गुलाल से सराबोर था और हर तरफ केवल राधा-कृष्ण के जयकारे गूंज रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'रंगोत्सव 2026' को भव्य रूप देते हुए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अनूठी होली का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब बरसाना में उमड़ पड़ा।

नंदगांव के हुरियारों के बरसाना पहुंचने पर प्रिया कुंड पर उनका भव्य स्वागत किया गया। बरसाना वासी कृष्ण के सखाओं को दामाद के रूप में देखते हैं, इसलिए उसी आत्मीय भाव से उन्हें मिठाई, पकोड़े, ठंडाई और भांग परोसी गई। इसके बाद हुरियारों ने अपनी पाग (पगड़ी) बांधी और ब्रह्मांचल पर्वत स्थित श्री लाडली किशोरी जी के मंदिर पहुंचकर राधा रानी से होली खेलने की अनुमति ली। इस अद्भुत क्षण को और भी दिव्य बनाने के लिए हेलीकॉप्टर से हुरियारों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई।

दर्शन के बाद शाम करीब चार बजे हुरियारे रंगीली गली पहुंचे। यहां ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक ब्रज रसिया और होली गीत गाकर उन्होंने हुरियारिनों को रिझाया। इसके जवाब में महिलाओं ने मजाकिया अंदाज में उन पर लाठियों से वार किया, जिससे पुरुषों ने चमड़े की मजबूत ढाल से अपना बचाव किया।

मान्यता है कि यह परंपरा 5000 साल पुरानी है, जब भगवान कृष्ण अपने सखाओं के साथ राधा रानी और उनकी सखियों को चिढ़ाने आए थे, तब सखियों ने उन्हें लाठियों से खदेड़ा था। ब्रज में होली बसंत पंचमी से शुरू होकर 45 दिनों तक चलती है। इसका सबसे मुख्य आकर्षण यह लठामार होली ही है।

इस अलौकिक दृश्य और आनंद को देखकर श्रद्धालु और मंदिर के सेवायत भाव-विभोर हो गए। श्रद्धालु भारती ने कहा ,'' मैंने जीवन में पहली बार ऐसी होली देखी है। लाठियों की मार में भी जो प्रेम और भक्ति का भाव है, वह सिर्फ ब्रज में ही महसूस किया जा सकता है।

26-02-2026 सूर्यास्त 6:17 बजे | 27-02-2026 सूर्योदय 6:26 बजे

BSE	NSE
82,276.07 (+50.15)	25,482.50 (+57.85)

सोना	चांदी
16,670 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	280,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल ए पाकिस्तान

सत्ता पर हावी है शरीफ़,
इमरान मियां है नजरबंद।
बलुचों ने बजवा दी घण्टी,
सेनाएं भी लगती स्वछंद।
बेखौफ हुई दहशतगर्दी,
हावी हुकुमत पर सिर्फ चंद।
घर में खाने के लाले पर,
कर रहे जंग की दंद-फंद।।

आतंक वित्तपोषण मामला : न्यायालय ने शब्बीर शाह के 1990 के भाषण का हवाला देने पर एनआईए से सवाल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़े एक मामले में बुधवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए 1990 के दौरान कुछ कथित भड़काऊ भाषणों का हवाला देने पर एनआईए से सवाल किया।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि शब्बीर शाह के खिलाफ भड़काऊ भाषण वाले वीडियो और आपत्तिजनक ई-मेल सहित कई सबूत मौजूद हैं। जब एनआईए की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने वीडियो के कुछ अंशों का हवाला दिया, तो पीठ ने भाषणों की तारीख के बारे में पूछा। लूथरा ने कहा कि एजेंसी के पास कुछ वीडियो की तारीखें मौजूद हैं और वे 1990 के दशक के हैं। पीठ ने कहा, ''ये भाषण कोई नए नहीं हैं। ये तो 30 या 35 साल पहले से ही मौजूद थे। अब आप इन्हें 2019 में निकालकर भड़काऊ भाषण बता रहे हैं।'' लूथरा ने कहा कि शब्बीर शाह के घर की तलाशी के दौरान भड़काऊ भाषण वाले वीडियो बरामद हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि शाह के खिलाफ गवाहों के बयान भी मौजूद हैं।

पीठ ने लूथरा से निचली अदालत में मामले की सुनवाई के चरण के बारे में पूछा। वरिष्ठ अधिवक्ता ने निचली अदालत के 19 फरवरी के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि 34 गवाहों से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है। एनआईए द्वारा प्रस्तुत दलीलों को सुनने के बाद, पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च के लिए तय की, जब शाह का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस अपनी दलीलें पेश करेंगे। शीर्ष अदालत ने 13 जनवरी को मामले की सुनवाई के दौरान एनआईए को अपना पक्ष ठीक से प्रस्तुत न करने के लिए फटकार लगाई थी, और एजेंसी से शाह को छह साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने का औचित्य साबित करने को कहा था। अदालत ने एनआईए से शाह के कुछ भाषण और मामले से संबंधित अन्य प्रासंगिक तथ्य प्रस्तुत करने को कहा था। एनआईए ने शाह को चार जून, 2019 को गिरफ्तार किया था। 2017 में, एनआईए ने 12 लोगों के खिलाफ पत्थरबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने व केंद्र सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया था। शाह पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बढ़ावा देने में ''महत्वपूर्ण भूमिका'' निभाने का आरोप है।

दो साल बाद मध्यप्रदेश की सड़कों पर एक भी निराश्रित गौवंश नहीं दिखेगा : मध्यप्रदेश सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को सदस्यों ने निराश्रित गौवंश मवेशियों के सड़कों पर घूमने और उनकी वजह से होने वाले सड़क हादसों पर चिंता जताई, जिसके बाद सरकार ने आश्वासन दिया कि अगले दो सालों के बाद राज्य की सड़कों पर ऐसा एक भी पशु नहीं दिखेगा।

कांग्रेस के अजय सिंह ऊर्फ राहुल भैया और कैलाश कुशवाहा ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निराश्रित पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विभाग पर करोड़ों रुपए व्यय किए जाने के बावजूद मध्यप्रदेश में करीब 10 लाख निराश्रित पशु सड़कों पर विचरण कर रहे हैं, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है और राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य सड़कों पर यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। अजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार की उदासीनता के कारण समस्या का प्रभावी समाधान नहीं हो पा रहा है तथा किसान एवं आमलोग भारी परेशानी झेल रहे हैं। राज्य के पशुपालन और डेयरी मंत्री लखन पटेल ने इसका जवाब देते हुए कहा कि निराश्रित गौवंश मवेशियों का व्यवस्थापन ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्रों में नगरीय एवं आवास विकास विभाग के जिम्मे है और संबंधित विभागों द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 2025 में नगरीय निकायों द्वारा सड़कों पर विचरण करने वाले लगभग 78,153 आवारा मवेशियों को पकड़ा गया तथा सड़कों पर घूम रहे पालतू पशुओं के मालिकों पर कुल 25 लाख 58 हजार 753 रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

बीएसएनएल निदेशक की यात्रा के दौरान इंतजाम की मांगें 'बेतुकी', कारण बताओ नोटिस जारी किया : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के एक वरिष्ठ निदेशक के प्रस्तावित प्रयागराज दौरे के दौरान इंतजाम और व्यवस्थाओं से जुड़ी मांगों को ''बेतुकी और चौंकाने वाली'' करार देते हुए कड़ी निंदा की और कहा कि इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मंत्री की ये टिप्पणी बीएसएनएल के निदेशक विवेक बंजल की आधिकारिक यात्रा से जुड़े व्यापक आतिथ्य प्रबंधों का विवरण सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आयी है।

बंजल की प्रयागराज की दो दिवसीय यात्रा को लेकर जारी कार्यालय आदेश में उनके साजो सामान जिसमें उनके अंत:वस्त्रों, तौलिए, कंघी और आईने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर दी गई हिदायत दी गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल इस कार्यालय आदेश को लेकर लोगों का गुस्सा भड़का और उन्होंने सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग पर सवाल खड़े किए। कार्यालय आदेश के अनुसार बंजल की प्रयागराज की प्रस्तावित दो दिवसीय यात्रा 25 फरवरी और 26 फरवरी को निर्धारित की गई थी। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक उनकी यह यात्रा किन्हीं कारणों से रद्द कर दी गई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए कार्यालय आदेश के अनुसार लगभग 50 अधिकारियों को तकरीबन 20 जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। इनमें स्नान किट में तौलिया, अत: वस्त्र, हवाई चप्पल, कंघी, आईना और एक तेल की शीशी का इंतजाम करना शामिल था। कार्यालय आदेश में छह पुरुष किट और दो महिला किट का इंतजाम करने के लिए कहा गया था। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सिंधिया ने कहा कि यह घटना ''अस्वीकार्य'' है और सभी नियमों और परंपराओं का उल्लंघन है। सिंधिया ने कहा, ''नए भारत में इस तरह का आदेश अस्वीकार्य है।'' साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सिंधिया ने इसे 'बेहद बेतुका' और 'स्तब्ध कर देने वाला' करार दिया। इस बीच, बीएसएनएल इंडिया ने 21 फरवरी को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बीएसएनएल के पास आधिकारिक दौरों के संचालन के संबंध में स्थायी निर्देश हैं। इनका पालन न करने का एक मामला संज्ञान में आया है। यह मामला बीएसएनएल के पेशेवर मानकों और मूल्यों के अनुरूप नहीं है। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है।''

बाजार की निगरानी बढ़ाने में एआई की भूमिका होगी अहम : सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी, खासकर कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार निगरानी को मजबूत करने, जोखिम प्रबंधन बेहतर करने और निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

सेबी प्रमुख ने 'कोटक इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस' में वैश्विक एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने के साथ वृद्धि का अगला चरण केवल कारोबार की मात्रा और मूल्यांकन से नहीं, बल्कि बाजार की गुणवत्ता, कॉरपोरेट संचालन, पारदर्शिता, तरलता और संस्थागत मजबूती से तय होगा। प्रौद्योगिकी, जिसमें एआई भी शामिल है, निगरानी प्रणाली को सशक्त बनाने, जोखिम प्रबंधन सुधारने और पारदर्शिता बढ़ाने में बढ़ती भूमिका निभाएगी।

देश में सामाजिक दरारें अब भी गहरी: न्यायमूर्ति भुइयां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने बुधवार को कहा कि देश संवैधानिक नैतिकता के मानक से बहुत दूर है। उन्होंने अपनी बेटी की मुस्लिम दोस्त का एक उदाहरण भी दिया, जिसे उसकी धार्मिक पहचान के कारण आवास देने से इनकार कर दिया गया था।

'तेलंगाना न्यायाधीश संघ' एवं 'तेलंगाना राज्य न्यायिक अकादमी' द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता को सार्वजनिक नैतिकता से ऊपर रखा जाना चाहिए, भले ही यह बहुसंख्यक दृष्टिकोण हो। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि भारत में कानूनी खर्च अन्य देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है, लेकिन वकीलों की फीस सहित संबंधित खर्चों के कारण दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों के लिए अदालतों तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि कानून नागरिकों से यह अपेक्षा करता है कि वे संवैधानिक नैतिकता को अपना मानक बनाकर उसका पालन करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संविधान का उद्देश्य भाईचारा और बंधुत्व स्थापित करना है। उन्होंने कहा, संवैधानिक नैतिकता पर जोर इस आधार पर दिया जाता है कि हम घर पर या समुदायों के भीतर जिस नैतिकता का पालन करते हैं, वह संविधान द्वारा हमसे अपेक्षित नैतिकता से कमतर या भिन्न हो सकती है। इस तरह के अंतर विशेष रूप से विवाह और परिसर किराए पर देने के मामलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी बेटी की एक दोस्त (पीएचडी की छात्रा) का उदाहरण दिया, जिसे दिल्ली में कामकाजी महिलाओं के छात्रावास चलाने वाली मकान मालकिन ने उसकी मुस्लिम पहचान के कारण आवास देने से इनकार कर दिया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एकतरफा, इस पर रोक लगनी चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता स्पष्ट रूप से एकतरफा है और आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता यह है कि केंद्र सरकार इसे स्थगित करने का साहस दिखाए क्योंकि यह देश भर के लाखों किसानों के लिए विनाशकारी होगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह काफी असाधारण है कि अमेरिका ने भारत से कुछ भारतीय सौर उत्पादों के आयात पर 125.87 प्रतिशत शुल्क लगाया है। उन्होंने सवाल किया, ''यह भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रति राष्ट्रपति ट्रंप की प्रतिबद्धता के बारे में क्या कहता है, जिसकी नई दिल्ली में उनके अच्छे दोस्त ने इतनी प्रशंसा की और सराहना की कि यह अमेरिका में भारत के निर्यात के लिए दरवाजे खोल रहा है?'' रमेश ने दावा किया, ''दरअसल, यह सौदा स्पष्ट रूप से एकतरफा है। अमेरिका से भारत के आयात को मुक्त कर दिया जाएगा लेकिन अमेरिका को निर्यात अमेरिकी राष्ट्रपति की सनक और इच्छा के अधीन होगा।'' रमेश ने अपने पोस्ट में कहा, ''आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। भारत को साहसी होना चाहिए और समझौते को रोक देना चाहिए। यह समझौता देश भर के लाखों किसानों के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा।''

आंध्र के पर्यटन क्षेत्र में 20,000 करोड़ रुपए का निवेश, बन रहे हैं 7,000 होटल कमरे : के. दुर्गेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के पर्यटन मंत्री के. दुर्गेश ने बुधवार को विधान परिषद को बताया कि राज्य में 7,000 से ज़्यादा होटल कमरे बन रहे हैं, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में पर्यटन क्षेत्र में 20,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा का निवेश किया गया है।

मंत्री ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने से इस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है, जिससे 20,088 करोड़ रुपए का निवेश आया है। दुर्गेश ने कहा, पिछले 18 माह में, राज्य में 20,088 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इसमें से 9,445 करोड़ रुपए के निवेश से 7,348 कमरे बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन नीति 2024-29 में नए बदलाव किए गए हैं और इन निवेश से करीब 40,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश के अवसंरचना और निवेश मंत्री बी सी जनार्दन रेड्डी ने सदन को बताया कि राज्य ने 31 जनवरी, 2026 तक रामायपट्टनम बंदरगाह पर 2,640 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसके बाद मछलीपट्टनम बंदरगाह (2,264 करोड़ रुपए), मुलापेटा बंदरगाह (2,833 करोड़ रुपए) और काकीनाडा एसईजेड बंदरगाह (620 करोड़ रुपए) का नंबर आता है।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में सेना ने आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया, आईडी, पिस्तौल बरामद

मेंढर/जम्मू/भाषा। सुरक्षा बलों ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के एक सीमावर्ती गांव में आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाया और दो परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) तथा एक पिस्तौल सहित हथियारों का जखीरा बरामद किया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी मेंढर क्षेत्र के सैलानी कसबलारी गांव में सेना व स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा चलाए संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान की गई। उन्होंने बताया कि गुफा के भीतर छिपाकर रखे गए इन सामान में दो हथगोले और पिस्तौल के 24 कारतूस भी शामिल थे। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अपने स्रोतों और पुलिस से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर, व्हाइट नाइट कोर के जवानों और एसओजी पुंछ ने मिलकर गनी वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया।

कृषि मंत्री चौहान उर्वरक सब्सिडी सीधे किसानों के खातों में देने के पक्ष में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को केंद्र सरकार की 1.7 लाख करोड़ रुपए की सालाना उर्वरक सब्सिडी को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये किसानों के बैंक खातों में भेजे जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें यह चुनने की आजादी मिलेगी कि वे कौन सा उर्वरक और कितनी मात्रा में खरीदना चाहते हैं।

यहां भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) परिसर में पूसा कृषि विज्ञान मेले को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि यूरिया का एक बैग जिसकी असल कीमत 2,400 रुपए है, केंद्र सरकार की सब्सिडी की वजह से किसानों तक सिर्फ 265-270 रुपए में पहुंचता है। उन्होंने कहा, ''अगर इतनी बड़ी सब्सिडी सीधे डीबीटी के जरिये किसानों के खातों में भेजी जाती है, तो किसान यह तय कर पाएंगे कि उन्हें कौन सा उर्वरक और कितनी मात्रा में खरीदना है। यह प्रणाली यह पक्का करेगी कि सब्सिडी का असली फायदा वही किसान उठाएगा जो खेतों में उर्वरक डालेगा।''

अभी, भारत में उर्वरक सब्सिडी सीधे किसानों को देने के बजाय मुख्य रूप से कंपनियों को भेजी जाती है। हालांकि, सरकार ने वर्ष 2018 में डीबीटी प्रणाली को लागू किया था, लेकिन उर्वरक बनाने वालों को सब्सिडी का हस्तांतरण किसानों को खुदरा बिक्री के सत्यापन के बाद किया जाता है।

विमान दुर्घटना मामले में प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार के बाद हमारा संदेह और गहरा हुआ : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने बुधवार को दावा किया कि मुंबई पुलिस ने उस विमान दुर्घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु हो गई थी, और कहा कि इससे दुर्घटना को लेकर संदेह और गहरा हो गया है। रोहित पवार ने आरोप लगाया कि सरकार और सरकारी तंत्र किसी को संरक्षण दे रहे प्रतीत होते हैं।

नागरिक उड्डयन निदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को 'वीएसआर वेंचर्स' को चार विमानों का उपयोग फिलहाल नहीं करने का निर्देश दिया, जिसका विमान 28 जनवरी को बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस दुर्घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

लियरजेट 45 विमान (वीटी-एसएसके) के 28 जनवरी को दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, डीजीसीए ने वीएसआर वेंचर्स का एक विशेष सुरक्षा ऑडिट करने का आदेश दिया था।

विमानन नियामक ने एक बयान में कहा कि बहु-विषयक ऑडिट दल ने कंपनी में विमान के उड़ान योग्य ना होने तथा हवाई सुरक्षा और उड़ान संचालन के क्षेत्र में अनुमोदित प्रक्रियाओं के कई गैर-अनुपालन पाए।

रोहित पवार ने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किए गए एक संदेश में दावा किया, ''ऐसे में जब अजित दादा के विमान दुर्घटना के संबंध में उचित कार्रवाई की प्रतीक्षा है, कल डीजीसीए की रिपोर्ट आई जिसमें कहा गया है कि यह दुर्घटना वीएसआर कंपनी की लापरवाही के कारण हुई थी।''

हालांकि, इस संबंध में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं होने के कारण, उन्होंने पार्टी के विधान परिषद सदस्य अमोल मितकारी, इदरीस नाइकवाडी और विधायक संदीप क्षीरसागर के साथ दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस थाने जाकर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की।

रोहित पवार ने दावा किया कि जब उनका बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया और उनके आवेदन को केवल औपचारिकता के तौर पर स्वीकार कर लिया।

नए आयकर फॉर्म में एचआरए लाभ के लिए मकान मालिक के साथ रिश्ता भी बताना होगा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत मसौदा आयकर नियम और फॉर्म जारी किए हैं, जिनमें किराया भत्ते (एचआरए) के दावों में पारदर्शिता बढ़ाने, विदेशी आय पर कर क्रेडिट के दावों की कड़ी जांच और ऑडिटर की जिम्मेदारी बढ़ाने का प्रस्ताव है। नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार ने हितधारकों के लिए नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किए हैं। इसके आधार पर अंतिम नियम एवं फॉर्म अगले महीने अधिसूचित किए जाएंगे।

नियमों के मसौदे के मुताबिक, नए फॉर्म 124 में करदाता को यह बताना होगा कि वह जिस मकान मालिक को किराया दे रहा है, उससे उसका कोई पारिवारिक या कोई अन्य संबंध तो नहीं है। फिलहाल एचआरए का दावा करते समय कर्मचारी अपने नियोक्ता को किराये का अनुमानित विवरण देता है, लेकिन मकान मालिक के साथ संबंध का खुलासा करना अनिवार्य नहीं है। कर विशेषज्ञों का मानना है कि मकान मालिक और किरायेदार के बीच के संबंधों का खुलासा अनिवार्य किए जाने से फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए किराया दावों पर अंकुश लगेगा।नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स फर्म में साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा, ''यह प्रावधान वास्तविक व्यवस्थाओं को प्रभावित किए बगैर कृत्रिम दावों की पहचान में मदद करेगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अनुचित दावों को खारिज करना आसान होगा।'' नियमों के मसौदे में विदेशी आय पर कर क्रेडिट के दावों के खुलासे के लिए ऑडिटर के साथ कंपनियों की भी जवाबदेही बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में 'झूठे' और 'अनर्गल' आरोप लगाए : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में ''झूठे'' और ''अनर्गल'' आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, जबकि सच्चाई यह है कि नेहरू-गांधी परिवार ने हमेशा राजनीति को देश से ऊपर रखा है।

यादव ने यह भी आरोप लगाया कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने हमेशा किसानों के साथ अन्याय किया और आज वह अन्नदाताओं की आड़ में अपने राजनीतिक लाभ के लिए संभावनाएं तलाश रही है। राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया था कि एप्स्टीन फाइल्स जारी करने की धमकी और उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में चल रहे आपराधिक मुकदमे के कारण दबाव में आकर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को मंजूरी दी है। राजधानी भोपाल में कांग्रेस की ओर से आयोजित 'किसान महाचौपाल' को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी को यह चुनौती भी दी थी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वह इस करार को रद्द करके दिखाएं। यादव ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''राहुल गांधी ने जिस प्रकार से झूठे और अनर्गल आरोप लगाए हैं, मैं तो बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि वह उनको सद्बुद्धि दें।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को क्षमा याचना करनी चाहिए कि उनके पुरखों ने देश में लंबे समय तक शासन किया और किसानों के साथ लगातार ''अन्याय'' किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज वह किसानों की आड़ में अपना मतलब निकाल रहे हैं। वे इसमें अपने लिए संभावनाओं के द्वार देख रहे हैं लेकिन ऐसी कोई संभावना खुलने वाली नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहले अपने कांग्रेस शासनकाल के काले पन्नों का अध्ययन करें। मध्यप्रदेश में नदी जोड़ो अभियान में भारत सरकार किसानों के कल्याण के लिए 90 प्रतिशत अनुदान दे रही है और प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के साथ मिलकर मध्यप्रदेश के 6 लाख किसानों के लिए उन्नति का नया मार्ग खोला है। इसके माध्यम से किसानों का भला होगा।''

आईटी शेयरों में गिरावट जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया का नतीजा, आईटीसी कर रही एआई का इस्तेमाल: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विविध कारोबार वाले समूह आईटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने बुधवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में हुई तेज गिरावट जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया का नतीजा है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी ने हमेशा एक सहायक की भूमिका निभाई है, और कंपनी उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने के लिए एआई का इस्तेमाल करती है।

आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम द्वारा आयोजित वार्षिक एनटीएलएफ कार्यक्रम के मौके पर पुरी ने पत्रकारों से कहा, ''बाजार में जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया हुई। फिर इसका असर बढ़ता गया।'' पुरी ने आगे कहा, ''कई अनुप्रयोग हमें कारखाने और आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता एवं उत्पादकता सुधारने में मदद कर रहे हैं। अब हम इन साधनों की मदद से कुछ ऐसे काम भी कर रहे हैं, जिन्हें पुराने माध्यमों से नहीं किया जा सकता था।'' पुरी ने कहा कि प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग ने अतीत में भी व्यवधान देखे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब आईटीसी ने वर्ष 2000 में वाई2के के समय इस उद्योग में प्रवेश करने का फैसला किया था, तब भी चिंताएं जताई गई थीं। पुरी ने कहा कि कंपनी अपने सभी व्यवसायों में प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है। उन्होंने कृषि क्षेत्र का उदाहरण दिया जहां कंपनी वर्षों से बढ़ते तापमान के प्रभाव का आकलन करने के लिए मौसम के मिजाज का अध्ययन कर रही है। निजी पूंजीगत व्यय में सुस्ती और आईटीसी की योजनाओं के बारे में पुरी ने कहा कि कंपनी ऐसे व्यवसायों में काम नहीं करती है, जहां भारी निवेश की आवश्यकता हो। उन्होंने साथ ही कहा कि मध्यम अवधि में कंपनी की 20,000 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना है।

शशिकला की नई पार्टी की तुलना दिनाकरन ने 'इंस्टेंट सांभर-इडली' से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के नेता टी टी वी दिनाकरन ने अपनी मौसी वी के शशिकला द्वारा नई राजनीतिक पार्टी शुरू किए जाने पर तंज कसते हुए इसे इंस्टेंट सांभर और इंस्टेंट इडली जैसा बताया और कहा कि इससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की चुनावी संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की 24 फरवरी को 78वीं जयंती पर रामनाथपुरम जिले के कमुथी में आयोजित कार्यक्रम में शशिकला ने अपनी नई पार्टी की घोषणा कर राजनीति में वापसी की। उन्होंने अपनी पार्टी का झंडा जारी किया, जिस पर पूर्व मुख्यमंत्रियों सी एन अन्नादुरै, एम जी रामचंद्रन और जे जयललिता की तस्वीरें हैं। साथ ही उन्होंने अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी पर निशाना साधा, जिन्होंने उन्हें पार्टी से निष्कासित किया था।

शशिकला के इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए एएमएमके महासचिव दिनाकरन ने संवाददाताओं से कहा, लोकतंत्र में कोई भी पार्टी शुरू कर सकता है। आजकल कई नई पार्टियां इंस्टेंट सांभर और इंस्टेंट इडली की तरह अचानक सामने आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि अम्मा (जयललिता) के सच्चे अनुयायियों को एकजुट होकर अम्मा की सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता।

तिरुनेलवेली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, अम्मा के सभी सच्चे अनुयायी एएमएमके और अन्नाद्रमुक आगामी विधानसभा चुनाव का

सामना करने के लिए मजबूती से एकजुट हैं। हम राज्य में अम्मा का शासन स्थापित करेंगे। बिना किसी का नाम लिए दिनाकरन ने कहा कि जो लोग अब तक राज्य में अम्मा का शासन स्थापित करने का दावा करते रहे, उनके असली रंग अब सामने आ गए हैं। शशिकला की बहन वनितामणि के पुत्र दिनाकरन ने 2017 में अन्नाद्रमुक में पैदा हुए संकट के संदर्भ में अपनी मौसी का बचाव किया और दावा किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के दबाव में इस्तीफा दिया था, न कि शशिकला के कारण।

अगस्त 2017 में पन्नीरसेल्वम और पलानीस्वामी ने शशिकला और दिनाकरन दोनों को अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया था। बाद में जुलाई 2022 में पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के बाद पलानीस्वामी ने पन्नीरसेल्वम को भी पार्टी से हटा दिया।

जयललिता की पूर्व विश्वासपात्र शशिकला ने तमिलनाडु चुनाव से कुछ महीने पहले नई पार्टी की घोषणा करते हुए कहा, हम एक नए राजनीतिक अध्याय के साक्षी बनने जा रहे हैं। मैंने स्पष्ट निर्णय लिया है। यह तमिलनाडु, उसके लोगों और हमारे कार्यकर्ताओं के हित में है। हम एक नई द्रविड़ पार्टी शुरू करने जा रहे हैं।

दिसंबर 2016 में जयललिता के निधन के बाद की घटनाओं का जिक्र करते हुए शशिकला ने कहा कि उन्होंने ही पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया था और 2016-21 की पार्टी सरकार को अस्थिरता से बचाने के लिए सावधानी बरती थी। उन्होंने आरोप लगाया जिन्हें मैंने मुख्यमंत्री बनाया, उसी व्यक्ति ने मुझे कागज के टुकड़े की तरह पार्टी से बाहर कर दिया। मैं अपना गुस्सा जाहिर नहीं करती, यह मैंने थलैवर (एमजीआर) से सीखा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के बारे में उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद 'धर्म युद्ध' छेड़ने का उनका फैसला ही उनके लिए समस्याओं का कारण बना, जिसका असर आज तक जारी है।

भाकपा नेता नल्लाकन्नू का निधन, मुख्यमंत्री स्टालिन ने शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी आर नल्लाकन्नू का बुधवार को यहां एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। सूत्रों ने बताया कि उनकी उम्र लगभग 101 वर्ष थी और अस्पताल में उनका उम्र संबंधी बीमारियों का इलाज किया जा रहा था।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने नल्लाकन्नू को श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत नेता का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किए जाने की घोषणा की। तमाम राजनीतिक नेताओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की और वामपंथी नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल की ओर से जारी एक बुलेटिन में बताया गया कि गहन देखभाल के बावजूद सभी महत्वपूर्ण अंगों के काम करना बंद करने के कारण 25 फरवरी, 2026 को अपराह्न एक बजकर 55 मिनट पर नल्लाकन्नू का निधन हो गया।

इसमें कहा गया है कि बीमारी के बाद भाकपा नेता को एक फरवरी को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। बुलेटिन के अनुसार नल्लाकन्नू को 24 दिन तक अस्पताल में भर्ती रखा गया और इस दौरान उनकी गहन देखभाल एक विशेषज्ञ टीम द्वारा की गई। इसमें कहा गया है कि हालांकि ''आज सुबह से ही'' उनमें दवाओं का असर धीरे-धीरे कम होने लगा था और उनकी हालत तेजी से बिगड़ गई। अपने शोक संदेश में स्टालिन ने नल्लाकन्नू की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक मजबूत व्यक्तित्व बताया, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अथक संघर्ष किया।

इसमें कहा गया है कि नल्लाकन्नू ने हमेशा इस बात पर दृढ़ विश्वास रखा कि कम्युनिस्ट और द्रविड़ विचारधाराएं ऐसी सहयोगी हैं, जिन्हें सामाजिक परिवर्तन के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वामपंथी नेता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने नल्लाकन्नू को अंबेडकर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया था। स्टालिन ने कहा, ''यह मेरा सौभाग्य था कि मुझे द्रमुक सरकार की ओर से कॉमरेड को 'थगैसल थमिझार' (प्रतिष्ठित तमिल) पुरस्कार प्रदान करने का अवसर मिला।''

क्या अन्नाद्रमुक राजग का नेतृत्व कर रही है: वामपंथी नेता ने किया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में सियासी बयानबाज़ी के बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की राज्य इकाई में नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

माकपा की तमिलनाडु इकाई के सचिव पी शनमुगम ने बुधवार को पूछा कि क्या राज्य में राजग की अगुवाई अन्नाद्रमुक कर रही है। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी भले ही राज्य में राजग का नेतृत्व करने का दावा कर रहे हों, लेकिन सहयोगी दल सीट-बंटवारे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से बातचीत की बात कर रहे हैं। माकपा नेता ने एएमएमके प्रमुख टीटीवी दिनाकरन की हालिया टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा ने भी इसका खंडन नहीं किया है।

शनमुगम ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मौजूदा रुझान को देखें तो ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ही अन्नाद्रमुक को सीटें आवंटित करेगी। उन्होंने अन्नाद्रमुक की दिवंगत नेता जयललिता के समर्थकों से आत्ममंथन करने का आह्वान किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान जयललिता ने मतदाताओं से लेडी या मोदी के बीच फैसला करने को कहा था, जिसमें 'मोदी' से आशय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से था।

'द केरल स्टोरी 2' के खिलाफ दायर याचिकाएं विचारणीय नहीं हैं: निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। 'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' के निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय को बताया है कि फिल्म की रिलीज का विरोध करने संबंधी याचिकाएं ''समय से पहले दायर की गईं, गलत धारणा पर आधारित हैं और विचारणीय नहीं हैं।'' फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने मंगलवार को उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में यह बात कही।

न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस ने कहा कि वह अपराह्न में मामलों की विस्तृत सुनवाई करेंगे।

शाह ने अपने हलफनामे में दावा किया है कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत गठित सेंसर बोर्ड 'सीबीएफसी' ही एकमात्र विशेषज्ञ प्राधिकरण था, जिसे फिल्मों की संपूर्ण पड़ताल करने और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित करने का अधिकार है। उन्होंने अपने हलफनामे में कहा है, ''इस न्यायालय का पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार किसी फिल्म की विषयवस्तु के संबंध में प्रमाणन प्राधिकारी के निर्णय के स्थान पर अपना स्वयं का मूल्यांकन थोपने तक विस्तारित नहीं होता है।'' उन्होंने फिल्म के खिलाफ दायर याचिकाओं में लगे आरोपों का भी खंडन किया है और इन्हें ''कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग'' बताया है। निर्माता ने कहा है कि याचिका दायर करने से 16 दिन पहले फिल्म के टीजर जारी किए गए थे। उन्होंने कहा है कि किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर केवल दो मिनट के टीजर के आधार पर और पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा है कि पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना, सीबीएफसी के फैसले में किसी भी कानूनी खामी का प्रथमदृष्टया पता लगाये बिना, और केवल एक टीजर के आधार पर प्रतिबंध लगाना ''प्रतिवादी (निर्माता), हजारों प्रदर्शकों और देशभर के वितरण भागीदारों को जबरदस्त आर्थिक नुकसान पहुंचाएगा''।

विपुल अमृतलाल शाह ने दावा किया '' यह फिल्म भारत के साथ-साथ विदेशों में भी 1,800 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।'' फिल्म के शीर्षक के बारे में उन्होंने कहा है कि फिल्म के नाम में जो 'गोज़ बियॉन्ड' शब्द जोड़ा गया है, वह सिर्फ शीर्षक को ''आकर्षक बनाने के लिए नहीं'' है, बल्कि इसका वास्तविक महत्व और उद्देश्य है। हफलनामे में दावा किया गया है कि ऐसा जानबूझकर किया गया है, जिसे टीजर में कई बिंदुओं पर प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया गया है, जो यह दर्शाता है कि फिल्म की कथा केवल केरल तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भीड़ की हिंसा या विरोध प्रदर्शन से सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो इसे रोकने के लिए कदम उठाना सरकार का कर्तव्य है और इसके परिणामस्वरूप किसी फिल्म की रिलीज को रोका नहीं जा सकता। हलफनामे में कहा गया है, ''ऐसी स्थिति जिसमें कोई भी व्यक्ति या समूह केवल अव्यवस्था की धमकी देकर किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर प्रभावी रूप से रोक लगा सकता है, तो सीबीएफसी प्रमाणन प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी दोनों ही का कोई मतलब नहीं रह जायेगा।''

अदालत ने मंगलवार को मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि फिल्म के टीजर और ट्रेलर में केरल जैसे राज्य को गलत तरीके से दर्शाया गया है, जबकि यह ऐसा राज्य है जहां हर कोई सांप्रदायिक सद्भाव के साथ रहता है।

अदालत ने यह भी कहा था कि राज्य के नाम का इस्तेमाल करना और यह दावा करना कि फिल्म सच्चे तथ्यों पर आधारित है, राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकता है। 'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए दिए गए प्रमाणपत्र को रद्द करने के अनुरोध के मकसद से तीन अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होनी है। इन तीन में से एक याचिका कन्नूर जिले के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने दायर की है। उन्होंने पिछले सप्ताह दायर अपनी रिट याचिका में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि फिल्म को कथित तौर पर सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक आदेश का उचित अनुपालन किए बिना सीबीएफसी द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र दिया गया। याचिका के अनुसार, यह शिकायत फिल्म के टीज़र और ट्रेलर से उत्पन्न हुई है, जिसमें कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है, फिर भी सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में प्रचारित किया गया है, जिससे आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की कथित घटनाएं विशेष रूप से केरल राज्य की लगती हैं।

याचिका में कहा गया है, ''इस तरह के चित्रण में पूरे क्षेत्र की आबादी को कलंकित करने, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और सांप्रदायिक व क्षेत्रीय वैमनस्य भड़काने की क्षमता है।''

केरल की स्वास्थ्य मंत्री विपक्षी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान घायल, विजयन ने निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

घटना उस समय हुई जब मंत्री एक ट्रेन में सवार होने के लिए कन्नूर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। राज्य विधानसभा अध्यक्ष घटना के समय रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि मंत्री के हाथ और गर्दन में चोटें आई हैं। प्रसारित दृश्यों में मंत्री प्रदर्शनकारियों के बीच घिरी दिख रही थी...

कन्नूर/तिरुवनंतपुरम (केरल)/भाषा। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज बुधवार को यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर घायल हो गईं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मंत्री एक ट्रेन में सवार होने के लिए कन्नूर रेलवे स्टेशन पहुंची थीं।

राज्य विधानसभा अध्यक्ष ए. एन. शमसीर घटना के समय रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि मंत्री के हाथ और गर्दन में चोटें आई हैं। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित दृश्यों में पुलिसकर्मियों के साथ मंत्री प्रदर्शनकारियों के बीच घिरी दिख रही हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता पी. जयराजन ने बताया कि मंत्री जॉर्ज को यहां के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज गहन चिकित्सा इकाई में किया जा रहा है। कुछ मरीजों से जुड़ी कथित चिकित्सा लापरवाही की घटनाओं के बाद जॉर्ज को पिछले एक सप्ताह से विपक्ष के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज पर कांग्रेस की छात्र इकाई केएसयू के कार्यकर्ताओं के कथित हमले की निंदा की और इसे पार्टी की ओर से निंदनीय राजनीति का कृत्य बताया।

मुख्यमंत्री विजयन ने एक बयान में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री पर कन्नूर रेलवे स्टेशन पर हमला उस समय हुआ जब वह प्लेटफार्म की ओर जा रही थीं और उन्हें चोटें आईं।

विजयन ने कहा, वहां जो कुछ हुआ वह किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि हिंसक व्यक्तियों के एक समूह का उपद्रव था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल में भारत की सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में से एक है, जिसे आधिकारिक एजेंसियों ने भी मान्यता दी है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह कुछ घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके एक ऐसे मंत्री को निशाना बना रही है जिनकी इसमें कोई संलिप्तता नहीं है। उन्होंने कहा, ''ऐसा कृत्य राजनीति नहीं, बल्कि राजनीतिक पतन हैं।''

कांग्रेस नेतृत्व को चेतावनी देते हुए विजयन ने कहा कि उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि वे अपने समर्थकों को उकसाकर कानून-व्यवस्था बिगाड़ सकते हैं या राज्य में अशांति फैला सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेतृत्व पर है। उन्होंने कहा कि यह हमला पूरी तरह से निराधार आरोप लगाकर राजनीति को दूषित करने के उनके तरीके को दर्शाता है।

इस घटना को अत्यंत निंदनीय बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सख्त कार्रवाई की जाएगी। विजयन ने कहा, केएसयू कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया हमला पूरी तरह से निराधार आरोप लगाकर राजनीति को दूषित करने के उनके तरीके को प्रतिबिंबित करता है। यह घटना अत्यंत निंदनीय है जिसका कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।''

वायनाड भूकंप पीड़ितों के लिए आवासों का निर्माण

आधारशिला कार्यक्रम में शामिल होंगे राहुल, प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा 26 फरवरी को केरल पहुंचेंगे, जहां वे चूरलमाला-मुंडक्कई भूस्खलन पीड़ितों के लिए पार्टी द्वारा बनाए जाने वाले आवासों के आधारशिला कार्यक्रम में शामिल होंगे। जुलाई 2024 में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों घर नष्ट हो गए थे।

पार्टी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि बृहस्पतिवार दोपहर को कलपेट्टा में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रियंका भी शामिल होंगी। बयान के अनुसार राहुल गांधी बृहस्पतिवार सुबह कन्नूर हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और कन्नूर जिले के पेरावूर में किसानों की सभा में भाग लेने के बाद कलपेट्टा के लिए रवाना होंगे। बयान में कहा गया है कि वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका सुबह कलेक्ट्रेट में 'दिशा' की बैठक में भाग लेंगी, जिसके बाद अपराह्न डेढ़ बजे वह कलपेट्टा सांसद कार्यालय में वन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (आरआरटी) के लिए उन्नत उपकरण सौंपेंगी। दिशा, जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समितियां हैं, जिनका गठन ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर संबंधित संसद सदस्य की अध्यक्षता में किया जाता है। प्रियंका शुक्रवार को सुबह कलिकावु सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक की प्रयोगशाला का उद्घाटन करेंगी और दोपहर में वह कैथापोयिल (थिरुवंबडी) स्थित एमईएस स्कूल के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगी। बयान में कहा गया है कि वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा चूरलमाला-मुंडक्कई आपदा पीड़ितों के लिए निर्मित आवासों के लिए चाबी सौंपने के समारोह में भी भाग लेंगी।

केरल का नाम बदलने पर थरूर ने उठाया सवाल, ब्रिटॉस ने कहा: छोटी बातों की चिंता नहीं करें

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सांसद जॉन ब्रिटास ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के फैसले के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में बुधवार को कहा कि ''केरलाइट'' और 'केरलन' जैसे शब्दों से क्या होता है, अब जब राज्य का नाम बदल दिया गया है।

राज्यसभा सांसद ब्रिटास ने एक 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''पहचान कोई वर्तनी परीक्षण नहीं है।'' ब्रिटास ने थरूर की उस पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने पर कटाक्ष किया था। थरूर ने केरल का नाम बदलने पर पूछा था कि अब नए ''केरलम'' के निवासियों के लिए 'केरलाइट'' और 'केरलन' जैसे शब्दों के संबोधन का क्या होगा। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर को टैग करते हुए ब्रिटास ने कहा था कि उन्हें छोटी बातों पर चिंता करने से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हममें से बाकी लोग मलयाली या मल्लू बने रहेंगे'' जैसा कि वे दशकों से हैं।

सरकारी उपलब्धियां बताने के लिए कर्मचारियों का निजी ब्यौरा मांगा गया: चेन्निथला

पथनमथिट्टा (केरल)/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार की उपलब्धियों का संदेश भेजने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में तैनात एक अधिकारी ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के व्यक्तिगत विवरण मांगे।

इसे बड़ा राजनीतिक विवाद और डेटा गोपनीयता का गंभीर उल्लंघन करार देते हुए चेन्निथला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विस चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के निजी विवरण मांगे। उन्होंने दावा किया कि एमएसएमई के मालिकों सहित कर्मचारियों के निजी विवरण 'केरल सॉल्यूशंस फॉर मैनेजिंग एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्मेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन प्रणाली' (केरमार्ट) तथा 'सर्विस एंड पेरोल एडमिनिस्ट्रेटिव रिपॉजिटरी फॉर केरल' (स्पार्क) से मांगे गए।

चेन्निथला ने कहा, ओएसडी द्वारा 31 दिसंबर, 2025 को जारी पत्र के माध्यम से यह जानकारी मांगी गई थी और 12 फरवरी तक सौंपने का निर्देश दिया गया था। यह डेटा गोपनीयता का गंभीर उल्लंघन है। क्या ओएसडी मुख्यमंत्री की जानकारी या मंजूरी के बिना ऐसा पत्र जारी कर सकते हैं? इसके पीछे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि माकपा और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) द्वारा चुनाव प्रचार के लिए निजी विवरण का उपयोग किया जाना अवैध और अलोकतांत्रिक है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ओएसडी के पत्र के अनुसार यह विवरण 'सेंट्रलाइज्ड नोटिफिकेशन हब फॉर गवर्नमेंट सर्विसेज' नामक डिजिटल संचार प्रणाली के तहत एकत्र किए गए, जिसे शुरू करने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार को इस प्रकार अपने कर्मचारियों के निजी विवरण लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री, उनके ओएसडी तथा राज्य के मुख्य सचिव के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की मांग की।

उनकी यह टिप्पणी केरल उच्च न्यायालय द्वारा एक दिन पहले की गई उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें अदालत ने कहा था कि सीएमओ द्वारा अधिकारियों को राज्य सरकार की उपलब्धियां बताने वाले ईमेल और संदेश भेजना निजता में हस्तक्षेप प्रतीत होता है।

अगर हमें विश्व कप जीतना है तो दबाव का सामना करना ही होगा : कोटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बुधवार को स्वीकार किया कि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में उनकी टीम पर दबाव रहेगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि खिलाड़ी इससे निपटने में सफल रहेंगे।

अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ के पहले मैच में 76 रन से हारने के बाद भारत को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। जिम्बाब्वे के बाद वह रविवार को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा।

कोटक ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ''विश्व कप भारत में खेला जा रहा है इसलिए दबाव और उम्मीद होना स्वाभाविक है। मेरा मानना है कि आप कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलें दबाव महसूस होता ही है। फिर यह तो निश्चित तौर पर बहुत दबाव वाला मैच है।'' लेकिन कोटक को भारतीय खिलाड़ियों की मानसिक दृढ़ता पर कोई

संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे सच में लगता है कि हम इसलिए एक मैच हार गए क्योंकि हमने अच्छी साझेदारी नहीं निभाई। लोग इसके बारे में (दबाव के बारे में) ज्यादा बात करते हैं। मेरा मानना है कि हमारे खिलाड़ी दबाव से निपटने में सक्षम है। अगर हम विश्व कप जीतना चाहते हैं तो हमें दबाव से निपटना होगा।''

कोटक ने कहा कि भारत टूर्नामेंट में आगे भी आक्रामक बल्लेबाजी की अपनी रणनीति पर कायम रहेगा। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हम उसी तरह की क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। मुझे लगता है कि हमें बहुत सकारात्मक रहना होगा और उसी तरह की क्रिकेट खेलनी होगी जिसने हमें सफलता दिलाई है। हम उसी तरह से खेलेंगे। हमारे रवैए में कोई बदलाव नहीं होगा।''

कोटक ने इसके साथ ही कहा कि मध्य क्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह दिन में बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अपने पिता के बीमार होने के कारण मंगलवार को नई दिल्ली चला गया। उन्होंने कहा, ''रिंकू के पिता की तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए उसे टीम छोड़नी पड़ी। मुझे लगता है कि वह आज शाम तक वापस आ जाएगा।''

LUCKNOW SMART CITY LIMITED
(CIN:-U74999UP2015SGC085631)
Regd. Office: In front of Lalbagh Girls Inter College, B.N. Road, Lalbagh, Lucknow.-226001
e-mail: lkosmartcity@gmail.com , website : www.lucknowsmartcity.com

REF/NIT. : 775/GM/P/LSCL/Health ATM/25-26 Date: 25/02/2026

Tender Notice (Third Call)

REQUEST FOR PROPOSAL SELECTION OF SERVICE PROVIDER FOR OPERATION AND MAINTENANCE OF 90 NOS OF THE HEALTH ATMS INSTALLED BY LSCL

Lucknow Smart City Limited invites online proposal from reputed firms for **"Operation and Maintenance of 90 NOS. of the Health ATM'S installed by LSCL under Smart City Mission".**

Tender document with all other details can be downloaded from **www.etender.up.nic.in** from **26th February 2026.**

The last date for submission of proposal is **16th March 2026** till **1500 hrs.** Technical Proposal will be opened on **16th March 2026** at **1630 hrs.**

For all further corrigendum/addendums in this regard, please regularly visit **www.etender.up.nic.in**

GENERAL MANAGER (PROJECT)

राजस्थान में दो से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायतीराज और नगरपालिका के चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव से पहले दो से अधिक संतान वालों को भी पंचायतीराज और नगरपालिका चुनाव लड़ने की अनुमति देने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कैबिनेट की बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए अलग-अलग विधेयक लाएगी।

इन मंत्रियों ने बताया कि राज्य मंत्रिमण्डल की बुधवार को हुई बैठक में इसे मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि इस बैठक में आर्थिक अपराधों के प्रभावी रोकथाम के लिए राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन तथा राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति को भी मंजूरी दी गई। पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा-19 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा-24 में संशोधन कर राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि इससे जिन व्यक्तियों के दो से अधिक संतान हैं, वे पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि दो से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने का प्रतिबंध उस समय लागू किया गया था जब जनसंख्या विस्फोट पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता थी। पटेल ने कहा कि 1991-94 के बीच प्रजनन दर 3.6 थी जो वर्तमान में घटकर दो रह गई है, ऐसे में इन प्रावधानों का प्रत्यक्ष प्रभाव अब कम होता जा रहा है।

उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन के तहत राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 में संशोधित करते हुए 'कुष्ठ रोग' को खतरनाक रोग की श्रेणी से हटाया गया है ताकि नगरपालिका चुनाव में सभी व्यक्तियों को चुनाव लड़ने का समान अवसर मिल सकेगा और कुष्ठ रोगियों का सम्मान भी सुनिश्चित हो सकेगा। डॉ. बैरवा ने बताया कि आर्थिक अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय मंत्रिमण्डल में लिया गया। उन्होंने बताया कि इससे जमीन जायदाद में धोखाधड़ी, बैंक-बीमा एवं शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय अपराध, 'मल्टी लेवल मार्केटिंग' ठगी, झूठा दिवालियापन, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी तथा फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से नौकरी या प्रवेश से संबंधित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई हो सकेगी।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया औद्योगिक विकास को नई गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति 2026 लाई जाएगी जिसके अंतर्गत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए चार मॉडल निर्धारित किए हैं। राजस्थान मंत्रिमण्डल ने राजस्थान मंडपम एवं अन्य परियोजनाओं के संशोधित प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

गहलोत ने कानोता और अचरोल के सैटेलाइट अस्पताल रद्द करने की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर कानोता और अचरोल में मंजूर सैटेलाइट अस्पताल को रद्द करने का आरोप लगाते हुए इस फैसले को उसकी अदूरदर्शिता और असंवेदनशीलता का प्रतीक करार दिया।

गहलोत ने एक बयान में कहा,दो साल बनाम पांच साल' के दावों की पोल खोलती एक और हकीकत: कानोता और अचरोल में सैटेलाइट अस्पताल रद्द। उन्होंने कहा कि जयपुर के एसएमएस अस्पताल पर मरीजों का दबाव कम करने एवं सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित उपचार उपलब्ध करवाने हेतु पिछली कांग्रेस सरकार ने अप्रैल, 2022 में जयपुर की चारों दिशाओं में सैटेलाइट अस्पताल खोलने की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा कि उनमें दक्षिण में टोंक रोड पर शिवदासपुरा, पश्चिम में अजमेर रोड पर बालमुकुंदपुरा, पूर्व में आगरा रोड पर कानोता एवं उत्तर में दिल्ली रोड पर अचरोल शामिल थे। गहलोत के अनुसार इन चारों सैटेलाइट अस्पतालों का काम कांग्रेस सरकार के दौरान ही शुरू हो गया था तथा बालमुकुंदपुरा एवं शिवदासपुरा सैटेलाइट अस्पतालों का निर्माण कार्य तो कांग्रेस सरकार में ही लगभग पूरा हो चुका था लेकिन निर्माण पूरा होने के एक साल बाद भी वर्तमान सरकार ने इन्हें जनता को समर्पित नहीं किया।

उन्होंने आरोप लगाया,दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सरकार में जमीन आंवटन होने के बावजूद सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार ने कानोता और अचरोल के सैटेलाइट अस्पतालों को अब रद्द कर दिया है जबकि आगरा रोड और दिल्ली रोड पर सड़क दुर्घटनाएं सर्वाधिक होती हैं।'

गहलोत के अनुसार-यह फैसला भाजपा सरकार की अदूरदर्शिता और असंवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने राज्य सरकार से जनहित के ऐसे महत्वपूर्ण कामों को बंद नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा,अगर यही रवैया रहा, तो आगामी पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय चुनावों में आपको जनता का आक्रोश देखने को मिलेगा।

उच्च न्यायालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय को बुधवार को दोपहर डेढ़ बजे कई धमाके कर बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि, तलाशी के दौरान परिसर से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। अशोक नगर के थानाधिकारी मोती लाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय को मिली धमकी में लिखा गया था कि 'उच्च न्यायालय को 11 बजे तक खाली कर दो। दोपहर 1:30 बजे परिसर में कई बम धमाके होंगे।' उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस दल, श्वान दस्ता एवं अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते ने अदालत कक्षों, न्यायाधीशों के चेंबर और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। थानाधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

चलती कार में लगी आग, कोई हताहत नहीं

जयपुर। जयपुर में गांधी सर्किल के पास मंगलवार रात एक चलती कार में आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बुधवार को बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि सीएनजी से चलने वाली इस कार का उपयोग टैक्सी के रूप में किया जा रहा था। चालक अमित धाबस वाहन की सर्विसिंग करवाकर लौट रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि कार से धुआं निकल रहा है। उन्होंने तुरंत कार रोक दी और बाहर निकल आए। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वह जलकर खाक हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। बाद में जली हुई कार को हटाकर यातायात बहाल किया गया।

पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को धौलपुर जिले में एक पटवारी को 50,000 रुपए की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार, पटवार हल्का बसई सामन्ता के पटवारी बीरेन्द्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के एक बयान के मुताबिक, परिवादी ने शिकायत दी थी कि जमीन का नामान्तरण दर्ज करने की एवज में आरोपी पटवारी बीरेन्द्र कुमार 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। टीम ने बुधवार को जाल बिछाया और आरोपी पटवारी को रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मामले में आगे जांच व कार्रवाई की जा रही है।

दिन का तापमान बढ़ने लगा, बाड़मेर में पारा 36.3 डिग्री पर

जयपुर। राजस्थान में मौसम में बदलाव के साथ दिन का तापमान बढ़ने लगा है और बाड़मेर में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। इसके अनुसार, बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान बाड़मेर में 36.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान लूणकरनसर में 10.5 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्यपाल ने कोटि होमात्मक नव दिवसीय 108 राम महायज्ञ में आहुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को कोटि होमात्मक नव दिवसीय 108 राम महायज्ञ में सम्मिलित हुए। उन्होंने महायज्ञ में आहुति दी और शांति, आध्यात्मिक उन्नयन के साथ राष्ट्र और राज्य के कल्याण की ईश्वर से प्रार्थना की।

राज्यपाल ने इस दौरान सनातन संस्कृति को अजेय बताते हुए कहा कि यज्ञ और इस तरह के पवित्र अनुष्ठान जीवन का आलोक है। उन्होंने कहा कि यज्ञ पवित्रता के साथ वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। यह सनातन संस्कृति की सबके कल्याण में निहित उज्ज्वल दृष्टि है।

योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित 'समाधान' के लिए मुख्यालय में जल्द खुलेगी 'हेल्प डेस्क'

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा के निर्देश पर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए मुख्यालय पर शीघ्र ही हेल्प डेस्क (समाधान कक्ष) स्थापित किया जाएगा। यह पहल विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंबेडकर भवन में बुधवार को समस्त शाखाओं के प्रभारी अधिकारियों एवं संबंधित कार्मिकों को इस संबंध में विस्तृत तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान समाधान कक्ष की कार्यप्रणाली, समस्या दर्ज करने की प्रक्रिया, मॉनिटरिंग तंत्र तथा त्वरित निस्तारण की व्यवस्था पर विस्तार से जानकारी दी गई। निदेशक आशीष मोदी ने बताया कि इसी प्रकार का नवाचार पूर्व में बतौर निदेशक माध्यमिक शिक्षा विभाग, बीकानेर रहते हुए सफलतापूर्वक लागू किया गया था, जिससे विभागीय कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि आगामी समय में सामाजिक न्याय विभाग में और भी कई नवाचार लागू किए जाएंगे, जिनसे लाभार्थियों को निर्धारित समय-सीमा में समाधान उपलब्ध कराया जा सकेगा तथा जवाबदेहिता सुनिश्चित होगी। संयुक्त निदेशक (आईटी), माध्यमिक शिक्षा विभाग, बीकानेर गौरव शर्मा ने समाधान कक्ष प्रणाली के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आधुनिक डिजिटल तंत्र की सहायता से ऐसा मैकेनिज्म विकसित किया गया है, जिससे योजनाओं से संबंधित समस्याओं की ऑनलाइन ट्रैकिंग, निगरानी एवं शीघ्र निस्तारण संभव होगा।

खाटूधाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, राजस्थान पुलिस ने बनाया सुरक्षा का अभय कवच

जयपुर/दक्षिण भारत । सीकर जिले में स्थित विश्वविख्यात तीर्थ खाटूश्यामजी में इस वर्ष का फाल्गुनी लक्खी मेला आस्था, अनुशासन और आधुनिक प्रबंधन के एक अद्भुत संगम के रूप में उभर रहा है। 21 से 28 फरवरी तक चलने वाले इस मेले में लगभग 35 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस, जिला प्रशासन और श्री श्याम मंदिर कमेटी ने आपसी समन्वय से सुरक्षा और सुविधा का ऐसा अभूतपूर्व खाका तैयार किया है, जिससे हर भक्त सुरक्षित और सुगम दर्शन कर सके। इस वर्ष की रणनीतियों में तकनीकी नवाचार और श्रद्धालुओं के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है।

मुख्य मेले और फाल्गुन एकादशी की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने पुलिस अधीक्षक सीआईडी अपराध शाखा ज्येष्ठा मैत्रेयी के साथ मेला क्षेत्र का सघन दौरा किया। उच्चाधिकारियों के इस दल ने मेला बाजार, मुख्य मंदिर परिसर और विभिन्न पार्किंग स्थलों का जायजा लेकर सुरक्षा चक्र और भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों की सूक्ष्मता से समीक्षा की। इस निरीक्षण के दौरान पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त निदेशक (प्रचार) डॉ. कमलेश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजपाल सिंह, पुलिस उपाधीक्षक आनंद राव व नियति शर्मा सहित सोशल मीडिया एक्सपर्ट्स और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने धरातल पर तैनात जाब्ते को निर्देश दिए कि मुख्य मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवक को देखते हुए सतर्कता और सेवा भाव का समन्वय बनाए रखें, ताकि व्यवस्थाएं पूरी तरह त्रुटिहीन रहें।

मेले की विशालता को देखते हुए एडीजी कानून व्यवस्था श्री वी.के. सिंह ने सुरक्षा के बहुस्तरीय प्रबंध किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को 22 मुख्य सेक्टर और 350 सब-सेक्टर में विभाजित कर 5 हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों व जवानों को तैनात किया गया है। चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से पैनी नजर रखी जा रही है और केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से प्रभारी पुलिस अधिकारी नियति शर्मा के निर्देशन में रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही, श्रद्धालुओं को पल-पल की जानकारी देने के लिए मंदिर परिसर और प्रवेश द्वारों पर 44 डिजिटल एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं, जो दर्शन की प्रतीक्षा अवधि, आरती के समय और मौसम के अपडेट प्रदर्शित कर रही हैं।

सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत के नेतृत्व में इस बार यातायात व्यवस्था को बेहद सरल बनाया गया है। प्रतिदिन आने वाले 25 हजार से अधिक वाहनों के लिए चार बड़े नि:शुल्क पार्किंग स्थल विकसित किए गए हैं, जिन्हें बावन बीघा (पीला), सांवलपुरा (हरा), लामिया रोड़ (नीला) और दातारामगढ़ (गुलाबी) जैसे रंगों से कोड किया गया है। श्रद्धालुओं को दूर से ही अपनी पार्किंग की दिशा का पता चल सके, इसके लिए उन पर संबंधित रंगों के बड़े बैलून (गुब्बारे) लगाए गए हैं। पार्किंग से दर्शन स्थल तक श्रद्धालुओं को लाने के लिए 25 रुपये के निर्धारित शुल्क पर 2000 ई-रिक्शा संचालित किए जा रहे हैं।

वायु सेना ने राजस्थान के पोकरण रेंज में 'वायु शक्ति' का फुल ड्रेस अभ्यास किया

जैसलमेर/दक्षिण भारत । भारतीय वायु सेना ने मंगलवार को पश्चिमी राजस्थान के थार रेगिस्तान में स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'वायु शक्ति' का फुल ड्रेस अभ्यास किया। इसका मुख्य कार्यक्रम 27 फरवरी को आयोजित होगा। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों ने इस अभ्यास में भाग लिया, जिसमें समन्वित हमलों और एकीकृत अभियानों का अभ्यास किया गया, ताकि वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति का अनुभव कराया जा सके। इस अभ्यास का लक्ष्य समन्वित अभियानों के माध्यम से परिचालन तत्परता, सटीक हमले की क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना है।

हालांकि, तकनीकी समस्या के चलते तेजस लड़ाकू विमान ने इस अभ्यास में भाग नहीं लिया। सुखोई-30 एमकेआई विमानों ने दुश्मन के रनवे और ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि मिग-29 विमानों ने टैंकों के काफिले पर हमला किया। आकाश मिसाइल प्रणाली ने भी लक्ष्यों को भेदा। सी-130 विमान ने रात में लैंडिंग की और सी-295 परिवहन विमान ने भी लैंडिंग का अभ्यास किया। प्रचंड और अपाचे हेलीकॉप्टरों के साथ जगुआर विमान ने भी इस अभ्यास में भाग लिया। वायुसेना के गरुड़ कमांडो हेलीकॉप्टर से एक इमारत पर उतरे और आतंकवाद-रोधी अभियान का अभ्यास किया। उन्होंने खिड़कियां तोड़ीं, आसपास मौजूद आतंकवादियों को निष्क्रिय किया और बंधकों को मुक्त कराया।

जोधपुर में धुलंडी पर युवक का श्रंगार होगा : माली समाज 633 साल पुरानी परंपरा निभाएगा, चंग की थाप पर होगा नृत्य

जोधपुर/दक्षिण भारत । जोधपुर में धुलंडी के अवसर पर निकलने वाली ऐतिहासिक 'रावजी की गैर' एक बार फिर शहर की फिज़ा में रंग और परंपरा की गूंज भरने को तैयार है। चंग की थाप पर सामूहिक नृत्य और उत्साह से सराबोर यह आयोजन बीते 633 वर्षों से माली समाज की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। हर वर्ष हजारों लोग मिलकर 'राव' का स्वरूप गढ़ते हैं और परंपरा, श्रद्धा व सामूहिकता का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं, जो धुलंडी को जोधपुर की खास पहचान बना देता है। इस बार भी माली समाज की ओर से होली के दूसरे दिन धूलंडी के मौके पर मंडोर क्षेत्र में रावजी की गैर धूमधाम से निकाली जाएगी। इसको लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रावजी की गैर को लेकर माली समाज के लोगों में उत्साह है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के लोग शामिल होते हैं। 633 सालों से निकाली जा रही 'रावजी की गैर

जुगल किशोर गहलोत ने बताया कि 633 सालों से ये गैर निकाली जा रही है, जो बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से निकाली जाती है। इस बार भी रावजी की गैर मंडावता बेरा मंदिर चौक से पूजा अर्चना कर खोखरिया बेरा पहुंचती है। यहां से गैर को साथ लेकर मंडावता चौराहा होते हुए भिंयाली बेरा, गोपी का बेरा होते हुए फतेहबाग आएगी।इस तरह से बनता राव बहादुर सिंह गहलोत ने बताया गैर में एक ओर विशेष परंपरा है, जिसके अनुसार ऐसे युवक को राव बनाया जाता है, जो नवविवाहित हो और अच्छी कद-काठी के साथ-साथ नाचने में भी माहिर हो। मंडावता बेरा के शिव मंदिर से अमूमन दोपहर साढ़े 3 बजे बाद गैर का आगाज होता है।

यहां से गैर खोखरिया बेरा जाती है और वहां के लोगों को साथ लेकर भियाली बेरा, गोपी का बेरा के अंदर से फूलबाग नदी होते हुए फतेहबाग संतोकजी के बेरे पर पहुंचती है।आमली बेरा के दो परिवार बारी-बारी से ही राव का करते हैं चयन यहां आमली बेरा वाले भी मौजूद रहते हैं। आमली बेरा के दो परिवार बारी-बारी से ही राव का चयन करते हैं। लेकिन खास बात यह है, कि खोखरिया बेरा से ही राव का चयन किया जाता है। वे एक युवक को चुनकर उसकी पीठ पर छापा लगाते हैं। राव तय होने के बाद उसका श्रंगार किया जाता है। यहां राव चुनने के बाद गेर आमली बेरा होते हुए लाला बेरा, मंडोर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे से, भलावता बेरा होते हुए मंडोर चौराहे होते हुए मंडोर गार्डन में प्रवेश करती है। जहां से मंडोर उद्यान में बने राव कुंड पहुंचती है। इसमें आठ बेरों की गेर सम्मिलित होती है।

खोखरिया बेरा, बड़ा बेरा, गोपी बेरा, आमली बेरा, फूलबाग बेरा, नागौरी बेरा, मंडोर बेरा, पदाला बेरा आदि की गेर सम्मिलित होती है।सुरक्षा का रहता है जिम्मा राव को चुनने के बाद उसको सही सलामत रूप से मंडोर उद्यान के राव कुंड तक पहुंचाने में सुरक्षा की जिम्मेदारी मंडावता बेरा के लोगों की ही होती है।

अमित शाह ने भूमि बंदरगाह प्राधिकरण की बैठक के साथ तीन दिवसीय बिहार दौरे की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को भूमि बंदरगाह प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने तीन दिवसीय बिहार दौरे की शुरुआत की। यह प्राधिकरण गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक वैधानिक निकाय है, जो सीमा अवसंरचना के निर्माण, उन्नयन, रखरखाव और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है।

बैठक बिहार के किशनगंज जिले में हुई, जहां शाह सीमांचल क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे के पहले चरण में पहुंचे हैं। यह क्षेत्र राज्य के उत्तर-पूर्व में स्थित है और नेपाल तथा पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा हुआ है।

अमितशाह नेपाल से लगी खुली सीमा की निगरानी से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ भी बैठक कर सकते हैं।

बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने मंगलवार को कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी और जाली मुद्रा के प्रसार पर रोक लगाने के उपायों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दे सकते हैं।

शाह का यह बिहार का पहला दौरा है, जबकि इससे पहले वह नवंबर में राज्य की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद नए मंत्रिमंडल के

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं।

बिहार सरकार में मंत्री एवं बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जो किशनगंज से आते हैं, ने 'एक्स' पर लिखा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारतीय राजनीति के चाणक्य अमित शाह हमारी धरती पर आए हैं।

अमित शाह शुक्रवार को अररिया जिले का दौरा करेंगे, जहां वह भारत-नेपाल सीमा का निरीक्षण करेंगे, सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों से संवाद करेंगे तथा नवनिर्मित 'एसएसबी भवन' का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह पूर्णिया की यात्रा के साथ अपने बिहार दौरे का समापन करेंगे।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने एक बयान में कहा कि शाह का सीमांचल दौरा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा कि नेपाल और बांग्लादेश की निकटता के कारण यह क्षेत्र रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा यहां खुफिया तंत्र और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है।

राहुल 'समझौता मिशन' पर, 'पाक समर्थक तत्वों' से करीबी संबंध : नितिन नवीन

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह भारत की सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किए बिना विदेश यात्राएं करते हैं और उनके भारत-विरोधी एवं पाकिस्तान समर्थक तत्वों से करीबी संबंध हैं। नवीन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर समझौता मिशन पर होने का आरोप लगाया, जिसकी शुरुआत उनके पिता (पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी) के नाना और देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से हुई, जो पीढ़ियों तक जारी रहा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए शर्टलेस प्रदर्शन के बाद आई है। प्रदर्शन के दौरान पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड का नारा लगाया गया था, जो कथित तौर पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की ओर संकेत था। करीब एक माह पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए 45 वर्षीय बिहार के विधायक नवीन ने संवाददाताओं से कहा, आज मैं नेहरू-गांधी परिवार के उस समझौता मिशन को उजागर करना चाहता हूं, जिसने राष्ट्रीय हितों की कीमत पर निजी लाभ को तरजीह दी। मैं राहुल गांधी को बेनकाब करना चाहता हूं, जो खुद को बब्बर शेर की तरह प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने नेहरू द्वारा देश की बढ़ती आबादी को कथित तौर पर देयता कहे जाने और 1962 के चीन युद्ध में मिली हार का उल्लेख किया।

पूर्वोत्तर के लोगों पर अत्याचार सहन नहीं किया जायेगा : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और इस तरह के अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। रीजीजू और खांडू दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ हुई उस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उनके पड़ोसियों द्वारा कथित तौर पर नस्ली टिप्पणी की गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के दिन से ही वह और उनका कार्यालय संबंधित अधिकारियों के संपर्क में थे। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैंने व्यक्तिगत रूप से पुलिस से बात की है और (मैं) इस मामले पर नजर रख रहा हूं। गिरफ्तारी हो चुकी है और आगे कड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू की जायेगी। हम ऐसा सबक सिखाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पूर्वोत्तर के किसी भी व्यक्ति के साथ कोई दुर्व्यवहार न करे।'' खांडू ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही उन्होंने दिल्ली के पुलिस आयुक्त (सीपी) से बात की और त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा, सीपी व्यक्तिगत रूप से मेरे संपर्क में हैं। आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जायेगी।'' उन्होंने कहा, ''हम अपनी तीनों बहनों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उनकी सुरक्षा, गरिमा और न्याय हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहेगी।'' रीजीजू ने पहले कहा था कि पूर्वोत्तर के लोगों पर दुर्व्यवहार की कई घटनाएं हुई हैं और कुछ मामलों में लोगों की मौत भी हो गई है, लेकिन सवाल पूछने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब स्थिति बदल गई है। हम यहां पूर्वोत्तर के अपने भाइयों और बहनों की रक्षा के लिए हैं।'' दिल्ली की एक अदालत ने अरुणाचल प्रदेश की लड़कियों पर नस्ली टिप्पणी करने के आरोपी दंपति रूबी जैन और हर्ष को बुधवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मालवीय नगर पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में उन्हें हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, 20 फरवरी को किराये के मकान में मरम्मत कार्य को लेकर हुए विवाद के दौरान रूबी जैन ने अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

भारत में एचआईवी के सबसे अधिक मामले हैं मेघालय में : स्वास्थ्य मंत्री

शिलांग/भाषा। मेघालय के स्वास्थ्य मंत्री डब्ल्यू शिला ने कहा कि भारत में एचआईवी के सबसे अधिक मामले मेघालय में हैं, जहां 10,000 से अधिक मरीज उपचाराधीन हैं। शिला ने कहा कि राज्य इस स्थिति से निपटने के लिए 25 करोड़ रुपए की पांच वर्षीय हस्तक्षेप योजना को मंजूर कर चुका है।

मंत्री ने विधानसभा में कहा कि वर्तमान में राज्य में एचआईवी से पीड़ित 10,293 लोगों को 'एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी' (एआरटी) मिल रही है। एनपीपी विधायक मेहताब चंदी ए संगमा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने एचआईवी/एड्स के मामलों में 'खतरनाक वृद्धि' से निपटने के लिए अगले पांच वर्षों में मिशन-मोड कार्यक्रम के लिए 25 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। पिछले एक दशक में इस बीमारी से 749 मरीजों की मौत हो गई है, जिनमें से पूर्वी खासी हिल्स में 435, पश्चिमी जयंतिया हिल्स (123) और पूर्वी जयंतिया हिल्स (90) में जानें गईं।

नेहरू ने हमेशा के लिए भारत की सीमाओं का पुनः निर्धारण कर दिया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने पूरे कार्यकाल में बार-बार देश की सीमाओं को लेकर समझौते किए और हमेशा के लिए उनका 'पुनः निर्धारण' कर दिया।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर कांग्रेस के हमले की पृष्ठभूमि में भाजपा ने विपक्षी दल पर पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता अनिल बलूनी ने 'कम्प्रोमाइज्ड कांग्रेस' हैशटैग के साथ 'एक्स' पर लिखा, ''प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू का पहला कर्तव्य: भारत की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''इसके बजाय उन्होंने अपने पूरे शासनकाल में सीमाओं को लेकर समझौते किए। तिब्बत को टुकड़े-टुकड़े में गंवा दिया गया। अक्साई चिन को लेकर समझौता कर लिया गया। बेरुबारी को लेकर समझौता कर लिया गया। पंजाब के गांवों को लेकर समझौता कर लिया गया। रण के कच्छ को लेकर समझौता किया गया। और कश्मीर को लेकर भी करीब-करीब टुकड़ों में समझौता कर लिया गया।'' भाजपा सांसद ने दावा किया, ''बार-बार समझौते। यह नेहरू का नेतृत्व था। एक व्यक्ति के समझौते करने की वजह से भारत का नक्शा हमेशा के लिए बदल गया।'' बलूनी ने आरोप लगाया कि नेहरू ने तिब्बत में भारत के अधिकारों को छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया, ''डाक, टेलीग्राफ और फोन सेवाएं चीन के सुपुर्द कर दी गईं। तिब्बत को चीन के क्षेत्र के रूप में पहचाना गया। माओ को पूरा बफर जोन मुफ्त में सौंप दिया गया। अक्साई चिन: चीन ने 1951 से सैन्य सड़क बनाना शुरू किया। तत्कालीन आईबी प्रमुख बीएन मलिक ने 1952 में नेहरू को आगाह किया था लेकिन उन्होंने पूरी तरह अनदेखी की। सड़क 1957 में बनकर तैयार हो गई। 1959 में नेहरू ने संसद में कहा: 'इन अफवाहों पर ध्यान मत दो'। आठ साल का झूठ, जबकि भारत की जमीन को हथिया लिया गया।''

'वोटबंदी अभियान' पीडीए के वोट काटने का 'बहुत बड़ा षडयंत्र' : सपा प्रमुख

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नोटिस भेजे जाने को 'वोटबंदी अभियान' करार देते हुए इसे पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों) के वोट काटने का एक 'बहुत बड़ा षडयंत्र' करार दिया है।

यादव ने यहां एक बयान में कहा कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं को एसआईआर का नोटिस दिया जा रहा है, यह दरअसल नोटबंदी के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का 'वोटबंदी' अभियान है। उन्होंने कहा, दरअसल यह पीडीए के वोट काटने का एक बहुत बड़ा षडयंत्र है। यादव ने कहा कि भाजपा की नीयत तब भी खराब थी, अब भी खराब है। उन्होंने कहा कि पहले तो सिर्फ मुसलमानों को कागजात के लिए परेशान किया जाता था, अब तो हिंदुओं को भी नोटिस पर नोटिस जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, कोई दावा कर रहा था कि हम गलत वोटों के पकड़े जाने पर संबंधित लोगों को निरुद्ध केंद्र भेज देंगे तो क्या अब वे वोट के आधार पर नागरिकता तय करेंगे और लोगों को उनके खेत, ज़मीन, घर-मकान से बेदखल करेंगे?

बिहार सरकार शिव सर्किट विकसित करेगी, मंजूरी के लिए करेगी केंद्र से संपर्क : दिलीप कुमार जायसवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने बुधवार को विधानसभा को कहा कि राज्य में तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए 'शिव सर्किट' विकसित किया जाएगा और इसके लिए जल्द ही केंद्र सरकार से संपर्क किया जाएगा। यह घोषणा पथ निर्माण मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान की।

इससे पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई विधायकों ने भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिरों वाले शहरों में बेहतर सड़कों और समुचित संपर्क व्यवस्था की मांग की थी। बेनीपुर से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक विनय कुमार चौधरी ने कहा कांवरियों के मार्ग में भारी यातायात रहता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। मंत्री ने कहा, सदन में विधायकों द्वारा उठाई गई मांगों को ध्यान में रखते हुए सरकार बिहार में 'शिव सर्किट' विकसित करने के पक्ष में है। राज्य के जिन शहरों में भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं, उन्हें बेहतर सड़कों और आधारभूत संरचनाओं से जोड़ा जाएगा। इससे राज्य में तीर्थाटन को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सभी विधायकों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिरों की विस्तृत सूची उपलब्ध कराएं। जायसवाल ने कहा, विधायकों से आवेदन प्राप्त होने के बाद हम विस्तृत मार्ग योजना तैयार करेंगे, जिसके तहत भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिरों वाले शहरों को आपस में जोड़ा जाएगा। इसे बिहार में 'शिव सर्किट' कहा जाएगा। रिपोर्ट अंतिम रूप से तैयार होने के बाद राज्य सरकार केंद्र सरकार से इसकी स्वीकृति के लिए संपर्क करेगी।

मंत्री ने कहा कि यह पहल 'बुद्ध सर्किट' और 'रामायण सर्किट' की तर्ज पर होगी तथा इसका उद्देश्य भगवान शिव के मंदिरों की ऐतिहासिक एवं पौराणिक धरोहर का संरक्षण करना है।

आरपीएफ ने मानव तस्करी की कोशिश नाकाम की, दो लड़कियों को मुक्त कराया

रांची/भाषा। रांची रेलवे पुलिस ने बुधवार को दो लड़कियों को मुक्त कराया, जिन्हें घरेलू सहायिका के तौर पर काम दिलाने के बहाने दिल्ली ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के रांची रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद, सोमवार को चलाये गए जांच अभियान के दौरान 40-वर्षीय एक महिला से पूछताछ की गई।

रेलवे पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान दिल्ली के अगर नगर स्थित किराड़ी निवासी रेशमा देवी के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि झारखंड के गुमला पुलिस थाने में महिला के खिलाफ अपहरण, बलात्कार, मानव तस्करी और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। महिला को कोतवाली पुलिस थाने की मानव तस्करी-रोधी इकाई को सौंप दिया गया है। दोनों लड़कियों को बालिका गृह भेजा गया है।

वर्ष 2014 से एप्सटीन बन गया भारत-इजराइल संबंधों का आधार: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2014 से भारत और इजराइल के बीच संबंधों का आधार यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन बन गया और उसके मरने के बाद भी उसकी नीतियां ही वर्तमान सरकार की विदेश नीति तय कर रही हैं। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इजराइल के दौरे के बीच यह भी कहा कि भारत, इराजइल और फलस्तीन के मामले में हमेशा दो राष्ट्र के सिद्धांत का पालन किया है, लेकिन यह सरकार इस सिद्धांत से दूर जा चुकी है।

खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''इजराइल और फलस्तीन को लेकर भारत की विदेश नीति हमेशा से 'दो राष्ट्र' के सिद्धांत की रही है। लेकिन अमेरिका-इजराइल की एक लॉबी ने हमारी दशकों पुरानी विदेश नीति की दशा और दिशा बदल दी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जेफ्री एप्सटीन आम लोगों के लिए एक कुख्यात यौन अपराधी है, लेकिन मोदी सरकार की विदेश नीति के लिए एक नायक है। मरने के बाद भी एप्सटीन मोदी सरकार के फैसलों और उनकी नीतियों में जिंदा है। कहना गलत नहीं होगा कि 'एप्सटीन' इस सरकार की विचारधारा है।'' खेड़ा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, उद्योगपति अनिल अंबानी और एप्सटीन के बीच ईमेल के आदान-प्रदान का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया, ''2014 और 2017 के बीच जब हरदीप पुरी एप्सटीन से मिलते थे, उस दौरान पूर्व इजराइली प्रधानमंत्री एहुद बराक का एक खास साथी और इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद का एक बड़ा एजेंट योनी कोरेन उसी अपार्टमेंट में रहता था। अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने अपने बयान में लिखा है कि एप्सटीन एक जासूस था, जिसका प्रशिक्षण एहुद बराक के तहत हुआ था।''

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में हराकर एफआईएच प्रो लीग में पहली जीत दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होबार्ट/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां विश्व में तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चले आ रहे हार के सिलसिले को खत्म कर दिया। दोनों टीमें निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं। इस जीत से भारत का प्रो लीग के अगले चरण से पहले मनोबल बढ़ेगा।

पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने हर तरह से कड़ी चुनौती पेश की। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई।

ऑस्ट्रेलिया ने आखिर में 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया की यह खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद ही एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की पूरी कोशिश की लेकिन असफल रहीं और मैच शूटआउट में चला गया, जहां भारत ने जीत दर्ज करके दो अंक हासिल किए जबकि ऑस्ट्रेलिया को एक अंक मिला।

भारत की तरफ से शूटआउट में लाकड़ा, मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार होन्नेनहल्ली ने ऑस्ट्रेलिया के बाकी खिलाड़ियों के शॉट रोककर जीत में अहम भूमिका निभाई।

प्रो लीग का राउरकेला चरण भारत के लिए निराशाजनक रहा था जहां वह अपने सभी चार मैच में हार गया था। इसके बाद होबार्ट चरण में भी भारत ने हार के साथ शुरुआत की।

भारत पहले मैच में स्पेन से 0-2 से हार गया था। इसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा।

स्पेन के खिलाफ मंगलवार को खेले गए दूसरे मैच में 1-1 के ड्रॉ के बाद भारतीय टीम पेनल्टी शूटआउट में 3-4 से हार गई।

नौ टीमों की इस प्रतियोगिता में भारत फिलहाल आठवें स्थान पर है और उसने आठ मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल किए हैं।

भारत रोटरडम चरण में नीदरलैंड और जर्मनी के खिलाफ खेलेगा, जिसकी शुरुआत 21 जून को मेजबान टीम के खिलाफ मैच से होगी।

शतरंज में बेईमानी को बढा चढाकर पेश किया गया, इतनी समस्या है नहीं : गुकेश

प्राग/भाषा। विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने साफ तौर पर कहा है कि शतरंज मे बेईमानी की समस्या उतनी बड़ी नहीं है जितनी उसे पेश किया जा रहा है । गुकेश आनलाइन खेल को प्रभावित करने वाले बेईमानी के खतरे के खिलाफ रूसी ग्रैंडमास्टर ब्लादीमिर क्रामनिक की विवादास्पद मुहिम के पक्षधर भी नहीं हैं । पूर्व विश्व चैम्पियन क्रामनिक ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है चूंकि फिडे ने अमेरिका के दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोदित्स्की और चेक खिलाड़ी डेविड नवारा के खिलाफ धोखेबाजी के आरोपों के लिए उन्हें फटकारा था ।

नारोदित्स्की की असामयिक मौत काफी चर्चा में रही और उनका आखिरी वीडियो स्ट्रीम भी जिसमें उन्होंने क्रामनिक के आरोपों के कारण मानसिक तनाव की बात की थी । हाल ही में आई एक मेडिकल रिपोर्ट में हालांकि कहा गया कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी । गुकेश ने प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं किसी भी तरह के अनुचित खेल के खिलाफ हूं । यह ऐसी समस्या है जो देखने में आई है । मैने न तो कभी बेईमानी की है और उम्मीद करता हूं कि कोई ऐसा नहीं करता होगा ।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि लोग इस समस्या को बढा चढाकर पेश कर रहे हैं, इतनी समस्या है नहीं । क्रामनिक के आरोपों की बात करें तो अधिकांश से मैं इत्तेफाक नहीं रखता । मुझे लगता है कि शतरंज जगत में और समरसता और शांति होनी चाहिए ।'

भारत को टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा : रवि शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में मिली हार भारत के लिए खतरे की घंटी रही है और अब उसे टीम संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा । दक्षिण अफ्रीका से रविवार को 76 रन से मिली पराजय के बाद भारत को अब बृहस्पतिवार को जिम्बाब्वे से खेलना है । पिछले टी20 विश्व कप से चले आ रहे 12 मैचों में जीत के सिलसिले पर इससे रोक लग गई।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के ताजा अंक में कहा ,'' आपने लगातार 12 मैच जीते तो एक खराब दिन तो आना ही है । लेकिन मुझे खुशी है कि यह जल्दी आ गया । यह भारत के लिए जरूरी खतरे की घंटी रहा । इससे अब टीम को रणनीति और संयोजन पर फिर से विचार करना होगा ।'' उन्होंने कहा ,'' उन्होंने पिछले अनुभव से सबक ले लिया होगा कि चीजों को हलके में नहीं लेना है । एक और मैच हारने से काफी दबाव बन जायेगा ।'' शास्त्री ने भारतीय टीम को अतिरिक्त स्पिनर लेकर उतरने की सलाह दी । उन्होंने कहा ,'' अक्षर पटेल को वापिस लाना ही होगा । आपको उसके अनुभव की जरूरत है । मैं तो कहूंगा कि अक्षर और वॉशिंगटन सुंदर दोनों खेल सकते हैं क्योंकि किसी दिन कोई गेंदबाज तो खराब फॉर्म में होगा है । जैसे रविवार को वरूण चक्रवर्ती था ।'' उन्होंने कहा ,''अक्षर खेलता है तो आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करेगा । पांचवें नंबर पर हार्दिक पंड्या और छठे पर शिवम दुबे हैं । सुंदर सातवें नंबर पर है तो अक्षर पांचवें पर भी आ सकता है। अगर टी20 क्रिकेट में आठ बल्लेबाज भी नहीं चल पा रहे तो कुछ तो गलत है। ऐसे में एक अतिरिक्त गेंदबाज का विकल्प अहम है ।'' ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा ,'' कमेंट्री सुनते समय अक्षर को बाहर रखने का कारण यह लगा कि विरोधी टीम मे कई खब्बू बल्लेबाज हैं लेकिन दाहिने हाथ के बल्लेबाज भी तो हैं।

अहमदाबाद में अधिक मैच खेलना बड़ा फायदा नहीं है, पिच हर बार अलग होती है : केशव महाराज

अहमदाबाद/भाषा। दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के अपने अधिकतर मैच यहां के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेलने को मिल रहे हैं लेकिन उसके बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज का मानना है कि इससे उनकी टीम को खास फायदा नहीं मिल रहा है क्योंकि हर बार परिस्थितियां अलग होती हैं।

दक्षिण अफ्रीका की टीम गुरुवार को यहां सुपर आठ के मुकाबले में वेस्टइंडीज का सामना करेगा। उसने भारत के खिलाफ सुपर आठ का मैच भी इसी मैदान पर खेला था। ग्रुप चरण में उसने यहां तीन मैच खेले थे। महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ''यात्रा नहीं करना अच्छा है लेकिन पिच के लिहाज़ से हर मैच बहुत अलग रहा है। हमने यहां जो चार मैच खेले हैं उनमें परिस्थितियां लगातार बदलती रही हैं। मुझे नहीं लगता है कि इससे हमें बड़ा फायदा मिल रहा है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम जल्द से जल्द परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाकर अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें।''

भारत के खिलाफ बड़ी जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम का मनोबल काफी बढ़ा है लेकिन महाराज ने कहा कि टीम को अति आत्मविश्वास से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, ''प्रतियोगिता की संभवत: सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के बाद टीम में काफी जोश और उत्साह है। लेकिन हम अति उत्साहित नहीं हो रहे हैं। अभी इस टूर्नामेंट में बहुत क्रिकेट खेलना बाकी है। हमें अपनी गलतियों से सबक लेना है, चीजों को बेहतर करना है और सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देना है।''

सुविचार

जब हम किसी भी चीज की आस करना छोड़ देते हैं तो भगवान उस चीज को हमारे कर्मों में लिख देता है इसलिए आस ना करो अरदास करो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगी का फैलता जाल

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने एक कार्यक्रम में यह कहकर देशवासियों को साइबर अपराध संबंधी खतरों से सावधान किया है कि हर दूसरे दिन उन्हें पता चलता है कि उनके नाम से एक नई वेबसाइट बनाई गई है और उससे संदेश भेजे जा रहे हैं। एक दिन उनकी बहन और बेटी को भी उनके नाम से बनी वेबसाइट से संदेश मिले थे। बाद में पता चला कि ये सभी वेबसाइट नाइजीरिया से बनाई जा रही हैं। पहचान चुराकर साइबर ठगी को अंजाम देने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अगर सीजेआई के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाई जा सकती है तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? उसकी पहचान चुराकर साइबर ठगी बड़ी आसानी से की जा सकती है। ऐसा हो भी रहा है। साइबर ठगों के पास हमारा डेटा पहुंच रहा है। कुछ डेटा लोग खुद ही उन्हें सौंप देते हैं। इससे साइबर अपराधियों का काम आसान हो जाता है। लोगों को पता ही नहीं चलता कि जो जानकारी वे सार्वजनिक कर रहे हैं, वह उनके खिलाफ इस्तेमाल की जा सकती है। उदाहरण के लिए- एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने बेटे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कुछ दिन बाद उनके बेटे के पास अनजान व्यक्ति का संदेश आया कि मैं आपके पिताजी का मित्र हूं। आपको जन्मदिन पर एक उपहार भेजा था। वह मिला या नहीं? युवक ने कहा कि ऐसा कोई उपहार नहीं मिला। उस व्यक्ति ने एक लिंक भेजा और कहा कि इस पर चेक करें। जब युवक ने लिंक पर क्लिक किया तो उसके मोबाइल फोन में एक वायरस इंस्टॉल हो गया। इससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। युवक ने साइबर ठग की बातों पर जल्दी विश्वास कर लिया, क्योंकि उसने जन्मदिन का जिक्र किया था। साथ ही, एक फोटो में उसके पिता नजर आ रहे थे। वह फोटो साइबर अपराधी ने एआई की मदद से बनाई थी।

साइबर ठग कितने शातिर हैं, यह एक और घटना से समझिए। भारत के एक पड़ोसी देश में कई बेरोजगारों से लाखों रुपए की ठगी हो गई। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें लाइट हाउस पर नौकरी देने की बात कही गई थी। काम कुछ नहीं था। बस, रात को लाइट हाउस की बत्ती जलानी थी। उसके बाद आराम ही आराम था। वीडियो में कुछ ऐसे युवा भी नजर आ रहे थे, जो मर्चेंट नेवी में कार्यरत थे। उनके बारे में लोग जानते थे। बेरोजगार युवाओं ने लाइट हाउस में नौकरी के लिए आवेदन कर दिया। बाद में उनसे प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जांच, दस्तावेजों के सत्यापन के नाम पर लाखों रुपए लिए गए। एक दिन साइबर ठगों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए। बेरोजगारों के अरमानों पर पानी फिर गया। ऐसी गतिविधियां करने वालों के लिए नाइजीरिया एक पसंदीदा ठिकाना बना हुआ है। वहां लचर कानून व्यवस्था है। साइबर अपराधियों को सिम कार्ड आसानी से मिल जाते हैं। स्थानीय नेताओं, अधिकारियों और पुलिस पर ऐसे आरोप लग चुके हैं कि वे साइबर ठगी की रकम से अपना हिस्सा लेते हैं। वहां ठगी के ऐसे केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें बैठकर साइबर अपराधी विभिन्न देशों के नागरिकों को ऑनलाइन लूटने के मंसूबे बनाते हैं। उनके कामकाज में व्यवधान डालने की सख्त मनाही होती है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान, म्यांमार और कंबोडिया जैसे देश साइबर ठगी के गढ़ के रूप में उभरे हैं। वहां नेपाल, श्रीलंका, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बेरोजगार युवाओं को भर्ती किया जाता है। उन्हें ठगी का लक्ष्य देकर कहा जाता है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लूटें। इसके बाद कोई युवा फर्जी पहचान का इस्तेमाल करता है, कोई नकली पुलिस अधिकारी बनकर कैमरे के सामने आता है, तो कोई नकली न्यायाधीश बनकर लोगों को डराता है। सरकार को साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए सख्त और प्रभावी कदम उठाने होंगे। अब यह मुद्दा सिर्फ सुरक्षा का नहीं, बल्कि भरोसा कायम रखने का भी है। जिस व्यक्ति के साथ एक बार साइबर ठगी हो जाती है, उसके मन में व्यवस्था को लेकर भरोसे में कमी जरूर आती है।

ट्वीटर टॉक

राहुल गांधी कहते हैं कि हम मर जाएंगे मगर कॉम्प्रोमाइज नहीं करेंगे, लेकिन क्या उनका और उनकी पार्टी का इतिहास इस बात की गवाही देता है? आइए, उन ऐतिहासिक मोड़ों पर नजर डालते हैं, जहां कांग्रेस द्वारा राष्ट्रहित को 'समझौतों' की वेदी पर चढ़ा दिया गया।

-दिया कुमारी

आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिका चुनाव में सभी को समान अवसर प्रदान करने हेतु राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक-2026 एवं राजस्थान नगर पालिका (संशोधन) विधेयक-2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

-भजनलाल शर्मा

आज उज्जैन के पावन महाकालेश्वर मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। बाबा महाकाल की कृपा से सभी के जीवन में शांति, स्वास्थ्य और मंगल का वास हो!

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता से ईश प्राप्ति

एक बार स्वामी रामकृष्ण परमहंस दक्षिणेश्वर मंदिर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद भोग वितरित किया गया। जब सभी श्रद्धालु चले गए, तो स्वामी जी अपने स्थान से उठकर इधर-उधर पड़ी जूठी पत्तलों को समेटकर एक जगह रखने लगे। उन्हें ऐसा करते देख मंदिर का पुजारी दौड़ा आया और हाथ जोड़कर बोला, 'स्वामी जी! आप यह क्या कर रहे हैं? इस कार्य के लिए नौकर-चाकर हैं।' स्वामी जी मुस्कुराए और बोले, 'इन पत्तलों को उठाकर मैं अपने भीतर के अहंकार को बाहर निकाल रहा हूं। ईश्वर तक पहुंचने की सीढ़ियां विनम्रता से होकर गुजरती हैं, जो अहंकार पर विजय पा लेते हैं, ईश्वर उन्हीं के हृदय में वास करते हैं।'

सामयिक

बांग्लादेश की नई सरकार में दो हिंदू मंत्री शामिल

डॉ. रमेश ठाकुर

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिड़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे। लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझबूझता से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई, बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निदंनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है। हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया। दरअसल, इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए, कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है। कुल संसदीय 298 सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी पार्टी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयां को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है। बांग्ला-हिंदू संबंध जितने बिगड़ेंगे, उतना फायदा ये दोनों मुल्क मिलकर उठाएंगे। पूर्व की कार्यकारी सरकार को इन्होंने कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान के सह पर बांगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया। लेकिन संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय चुनाव में तीन हिंदू समुदाय के सांसद जीते हैं जिनमें निताई रॉय चैधरी को स्पीकर, चंटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री, तो वहीं गोयेश्वर रॉय चैधरी को महत्पूर्ण रेलमंत्री बनाया गया है।

बांग्लादेश में नवगठित हुकूमत के साथ करीब एक डेढ़-सालों से दंगों का दंश झेल रहे देश में आखिरकार नई सुबह का आगाज हो चुका है। आवाम को इस दिन का लंबे वक्त से इंतजार था। वहां काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनावों में बीएनपी ने बड़े मार्जिन से विजय हासिल की है। कुल संसदीय 298 सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी पार्टी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया हैं। कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्य मंत्री शामिल हैं। (साभार : प्रभा साक्षी)

नजरिया

एआई का नया युग और भारत की मानव केंद्रित दृष्टि

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

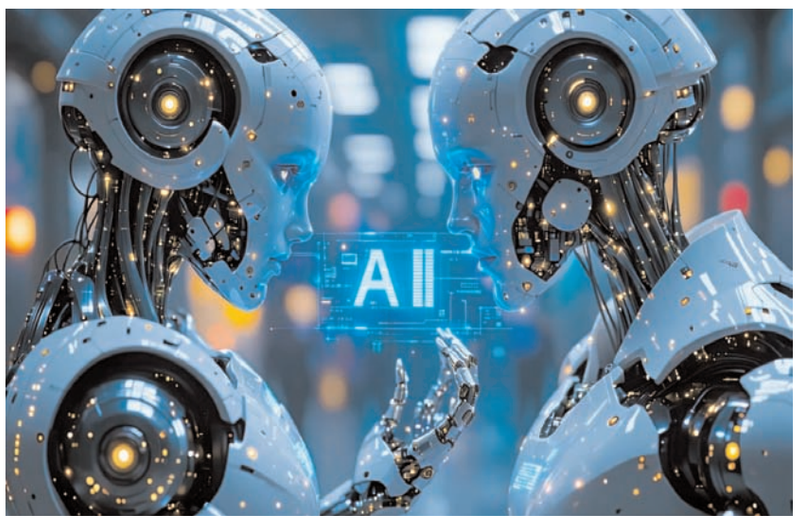

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस्तुत: यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं। यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया। ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है। भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं।

सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके। एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं।

साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है। 18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं। यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। कनाडा, स्विटजरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है।

सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। यह ष्टिकोण दर्शाता है कि तकनीकी विस्तार के साथ गवर्नेंस फ्रेमवर्क का सुढ़ होना अनिवार्य है। एआई का लोकतंत्रीकरण तभी सार्थक होगा जब मानक, बेंचमार्क और पारदर्शी नियम लागू किए जाएं।

डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि तकनीकी विस्तार के साथ गवर्नेंस फ्रेमवर्क का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। एआई का लोकतंत्रीकरण तभी सार्थक होगा जब मानक, बेंचमार्क और पारदर्शी नियम लागू किए जाएं।

अत: यहां निष्कर्ष रूप में यही कहना होगा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत एआई युग में निर्णायक भूमिका निभाने की तैयारी कर चुका है। 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव, रिकॉर्ड भागीदारी, वैश्विक समर्थन और युवा शक्ति की सक्रिय उपस्थिति इस परिवर्तन की आधारशिला हैं। भारत की मानव-केंद्रित नीति, संतुलित विदेश नीति और विशाल प्रतिभा भंडार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जिसमें तकनीकी नवाचार सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सके। एआई का अगला अध्याय केवल एल्गोरिद्म और डेटा तक सीमित नहीं रहेगा; यह विश्वास, सहयोग और समावेशी विकास की कहानी भी लिखेगा। भारत इस कहानी का केंद्रीय पात्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बातचीत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को जापान में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करते हुए।

केसरी प्रकरण के बाद सोनिया ने कहा था कि सब कुछ सौहार्दपूर्ण ढंग से होता तो बेहतर रहता: पुस्तक

नई दिल्ली/भाषा। सीताराम केसरी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने और सबसे लंबे समय तक इस जिम्मेदारी को निभाने वाली सोनिया गांधी 14 मार्च, 1998 को '24 अकबर रोड' पर कार्य समिति की बैठक के दौरान जो कुछ हुआ उसको लेकर खुश नहीं थीं और उनका कहना था कि यदि सबकुछ सौहार्दपूर्ण ढंग से होता तो बेहतर रहता।

वरिष्ठ पत्रकार और लेखक रशीद किदवई की पुस्तक 'सोनिया: ए बायोग्राफी' के हिंदी में अनूदित संस्करण 'दास्तान-ए-सोनिया' में यह दावा किया गया है। सेतु प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का संपादन पत्रकार जयजीत अकलेचा ने किया है।इस पुस्तक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के राजनीतिक और पारिवारिक जीवन से जुड़े कई प्रसंगों को समेटा गया है।पत्रकार ने सोनिया गांधी के राजीव गांधी से विवाह से जुड़े कुछ प्रसंगों को इस पुस्तक में जगह दी है और इस बात का उल्लेख किया है कि 25 फरवरी, 1968 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के ज्येष्ठ पुत्र के साथ विवाह के बाद वह कैसे एक ''आदर्श बहू'' बनीं और फिर 2004 से 2014 तक देश की सबसे रसूखदार राजनीतिक शख्सियत रहीं।

पुस्तक में 1998 में उन परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है जिनमें केसरी को हटाकर सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाया गया था।इसमें कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यालय '24 अकबर रोड' पर 14 मार्च, 1998 को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में सीताराम केसरी के साथ हुए कथित अपमानजनक व्यवहार का हवाला देते हुए कहा गया है कि सोनिया गांधी को जिन परिस्थितियों में पार्टी की कमान मिली थी, उससे वह खुश नहीं थीं।

पुस्तक के मुताबिक, सोनिया गांधी ने उस समय पार्टी के एक पदाधिकारी से कहा था, अगर सबकुछ सौहार्दपूर्ण ढंग से होता तो कहीं बेहतर होता।इसमें उस किस्से का भी जिक्र है जब राजीव गांधी ने विवाह से पूर्व पहली बार सोनिया की मुलाकात अपनी मां इंदिरा गांधी से करवाई थी और कैसे उसी मुलाकात के बाद इंदिरा ने उन्हें अपनी बहू बनाने का फैसला कर लिया था। पुस्तक में कहा गया है, ''लंदन में हुई इस मुलाकात के दौरान सोनिया को असहज देखकर इंदिरा ने उनसे फ्रेंच में बातचीत करनी शुरू की। चूंकि फ्रेंच में सोनिया काफी धाराप्रवाह थीं, इसलिए उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं आई। इसी बैठक में इंदिरा ने उन्हें अपने परिवार की बहू बनाने का निश्चय कर लिया था।''

इसमें इस बात का भी जिक्र है कि इंदिरा गांधी के राजनीतिक जीवन के सबसे मुश्किल समय में कैसे सोनिया गांधी उनके साथ चट्टान की तरह खड़ी रहीं।पुस्तक में कहा गया है, ''1977 के लोकसभा चुनावों में हार के बाद इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री आवास छोड़कर अपनी बहुओं, पोते-पोतियों और सेवकों के साथ 12 विलिंग्डन क्रिसेंट स्थित घर में आना पड़ा। परिवार के लिए यह काफी मुश्किल वक्त था।

राहुल गांधी और कांग्रेस भारत विरोधी ताकतों के हाथों की 'कठपुतली' की तरह काम कर रहे हैं : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी देश की प्रगति को अस्थिर करने के लिए ''तुच्छ राजनीति'' कर रहे हैं और भारत विरोधी ताकतों के हाथों की ''कठपुतली'' की तरह काम कर रहे हैं। गोयल ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि गांधी परिवार 'कम्प्रोमाइज्ड' (समझौता कर चुका) परिवार है और कांग्रेस एक 'कम्प्रोमाइज्ड' राजनीतिक दल है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''गांधी परिवार ने हमेशा देश के हितों से समझौता किया है और इसकी शुरुआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से हुई।'

' गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी ने भारत विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाकर ''राष्ट्र हित'' से समझौता किया है।

काजोल के पक्ष में दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, एआई और डीपफेक पर लगाई रोक

नई दिल्ली/एजेन्सी

दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल के पक्ष में एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने काजोल के नाम, तस्वीर, आवाज और उनकी पूरी पहचान के गलत इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक और सोशल मीडिया के जरिए मशहूर हस्तियों की पहचान का दुरुपयोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा है कि बिना अनुमति किसी की पहचान का इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। यह व्यक्ति की गरिमा पर सीधा हमला है। यह आदेश दिल्ली हाईकोर्ट की सिंगल जज बेंच की जस्टिस ज्योति सिंह ने सुनाया। इस मामले में काजोल ने कई वेबसाइट्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज, एआई चैटबॉट साइट्स और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत की थी। इन अज्ञात लोगों को कानूनी भाषा में 'जॉन डो' कहा जाता है, जिनकी पहचान अभी सामने नहीं आई है, लेकिन जो ऑनलाइन गलत गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं।

काजोल की याचिका में आरोप लगाया गया कि बड़ी संख्या में उनकी तस्वीरों और नाम का इस्तेमाल करके ऑनलाइन मर्चेंडाइज बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा, एआई की मदद से उनकी नकली तस्वीरें बनाई जा रही थीं। कुछ वेबसाइट्स पर उनकी पहचान का इस्तेमाल करते हुए अश्लील एआई चैटबॉट चलाए जा रहे थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि काजोल भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी-मानी और सम्मानित अभिनेत्री हैं, जिनका करियर लगभग चार दशकों का रहा है। उन्हें पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। उनकी पहचान एक मजबूत ब्रांड है, जिसे उन्होंने सालों की मेहनत से बनाया है।जज ज्योति सिंह ने अपने आदेश में कहा, ''सभी दस्तावेज और शिकायत को देखने के बाद यह साफ है कि काजोल का मामला मजबूत है। अगर तुरंत रोक नहीं लगाई जाती, तो उन्हें नुकसान हो सकता था, जिसकी भरपाई बाद में संभव नहीं है।'' अदालत ने इस पर अंतरिम रोक लगाने का फैसला सुनाया। इस आदेश के तहत अदालत ने सभी आरोपियों और अज्ञात लोगों को काजोल की पहचान के किसी भी तरह के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। इसमें उनका नाम, फोटो, आवाज, चेहरा, हाव-भाव और उनकी पहचान से जुड़ा हर पहलू शामिल है।

13 दिन जेल में काटने के बाद राजपाल यादव की काम पर वापसी

मुंबई/एजेन्सी

चेक बाउंस मामले में जमानत मिलने के बाद कमीडियन और अभिनेता राजपाल यादव 13 दिन बाद जेल से बाहर आए और अपनी भतीजी की शादी में शामिल हुए। शादी के कई वीडियो सामने आए, जिसमें अभिनेता जश्न के माहौल में डूबे दिखे, लेकिन अब कर्म बुला रहा है। अभिनेता ने जेल और शादी समारोह से वापसी के बाद अब काम पर वापसी कर ली है और वादा किया है कि आने वाले कई सालों तक वे अपनी कॉमेडी से सबको हंसाते रहेंगे। राजपाल यादव ने काम पर वापसी की जानकारी अपने लेटेस्ट वीडियो के जरिए दी है, जिसमें उन्होंने बुरे वक्त में मदद करने वालों, चाहने वालों और अपने फैंस के बेइंतहां प्यार को सलाम किया है। इसके साथ ही जल्द ही राजपाल यादव के करियर के तीस साल पूरे होने वाले हैं, जिसमें उन्होंने जिंदगी के कई रंग देख लिए हैं। अभिनेता ने बताया कि कैसे तीस साल पहले एक छोटे से नाटक में रोल करने के लिए चेहरे पर मेकअप किया था, जो आज तक चेहरे पर लगा है। उन्होंने वीडियो में बताया कि 13 जुलाई 1997 को पुणे में येरवडा सेंट्रल जेल के पीछे 'स्वराज' नाम के सीरियल में काम करने का मौका मिला था। डीडी वन पर कार्यक्रम आता था और बहुत छोटा सा रोल था, और तब से लेकर अब तक और साल 2027 में मुझे सिनेमा में काम करते हुए 30 साल पूरे हो जाएंगे।

हर परेशानी, आंधी और तूफान में मुंबई की इस धरती ने बहुत साथ दिया है। उन्होंने दर्शकों को विशेष धन्यवाद भी दिया है। फैंस भी अभिनेता को काम करते देखकर काफी खुश हैं और उन्हें खुलकर सपोर्ट कर रहे हैं। डीडी के सीरियल 'स्वराज' में अभिनेता का रोल तिलका मांझी का था, जो अंग्रेजों से लड़ने में स्वतंत्रता सेनानियों की पूरी मदद करते हैं। तिलका मांझी पहले आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जंग के एलान में बड़ा योगदान दिया था। हालांकि, अभिनेता को पहचान सीरियल से नहीं, बल्कि फिल्मों से मिली। उन्हें आज भी 'चुप-चुप के', 'हंगामा', 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम', और 'गरम मसाला' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

'दोस्ती का वादा होते हैं सात फेरे', पीएम मोदी ने विजय देवरकोंडा-रश्मिका मंदाना को दी बधाई

नई दिल्ली/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय सितारे विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस लंबे समय से पसंद करते रहे हैं और अब यह रिश्ता शादी के पवित्र बंधन में बंधने जा रहा है, तो फैंस काफी खुश हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने विजय देवरकोंडा के माता-पिता को एक पत्र लिखकर बेटे की शादी पर शुभकामनाएं दी हैं। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने लिखा, मुझे 26 फरवरी को होने वाली विजय और रश्मिका की शादी का निमंत्रण पाकर बेहद प्रसन्नता हुई। इस आनंदमय और शुभ अवसर पर देवरकोंडा और मंदाना परिवार, दोनों को दिल से बधाई।'' अपने पत्र में पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह शादी विजय और रश्मिका के जीवन की एक नई और सुंदर शुरुआत है। भारतीय परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, सात फेरे लेने का अर्थ जीवन भर के लिए दोस्त बन जाना होता है।

पत्र में प्रधानमंत्री ने दोनों कलाकारों के फिल्मी करियर से जुड़ी एक खास बात भी कही। उन्होंने लिखा, विजय और रश्मिका दोनों ही अपनी फिल्मों की स्क्रिप्ट और कहानियों के लिए नए नहीं हैं, वह पर्दे पर जादू करना जानते हैं। लेकिन, उनकी असल जिंदगी का यह नया अध्याय, जो प्यार और भरोसे से भरा है, निश्चित रूप से सिल्वर स्क्रीन पर उनके द्वारा बनाए गए जादू से भी कहीं ज्यादा चमकेगा। पीएम मोदी ने दोनों के भविष्य के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा, ''आने वाले दिन, महीने और साल उनके साझा सपनों और उनके पूरे होने से भरे रहें। दोनों एक-दूसरे की जिम्मेदारियों को समझें, कमियों को अपनाएं, खूबियों से सीखें और जीवन की यात्रा सच्चे साझेदार की तरह पूरी करें।''विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना का विवाह समारोह मेमेंटोस बाय आईटीसी होटल्स एकाया में आयोजित किया जाएगा, जो राजस्थान के उदयपुर में है।

होली

पटना में बुधवार को 'होली मिलन समारोह' में हिस्सा लेती हुए महिलाएं।

स्वागत

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बुधवार को श्रीनगर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर जम्मू और कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा उनका स्वागत करते हुए।

एक्टर अक्षय कुमार, अनिल कपूर और राधिका मदान बुधवारको मुंबई में व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर दिखीं।

रियलिटी शो 'द 50' से बाहर आकर मोनालिसा ने लिखा इमोशनल नोट

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा रियलिटी शो 'द 50' से बाहर आ गई हैं। मंगलवार को उन्होंने एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एविक्शन की तस्वीर शेयर की और लिखा, बहुत भारी दिल के साथ आपको बताना पड़ रहा है कि मुझे 'द 50 पैलेस' से बाहर निकलने का आदेश मिल गया है, लेकिन मुझे खुशी और गर्व है कि मैं पिछले 20 सालों से अपने फैंस के दिलों में हूं और हमेशा रहूंगी।

मोनालिसा ने शो से जुड़े सभी लोगों का दिल से धन्यवाद दिया जिन्होंने उन्हें इस शो में हिस्सा बनने का मौका दिया। उन्होंने लिखा, इस शो में मुझे 50 सेलेब्रिटीज के बीच रहना मेरे लिए एक बेहतरीन अवसर था। उन्होंने आगे लिखा, मैं भगवान की आभारी हूं कि मुझे नई-नई चीजें सीखने और नए मौके पाने का अवसर मिलता है। 'द 50' भी ऐसा ही एक नया अनुभव था। इसका कॉन्सेप्ट और गेम्स बिल्कुल अलग थे, जिन्हें शायद मुझे फिर कभी खेलने का मौका न मिले। यह अनुभव बहुत मजेदार और शानदार रहा।

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए लिखा, विक्रांत मेरे मजबूत साथी (मेरे प्यार) और एक बेहतरीन खिलाड़ी अभी भी घर के अंदर हैं। मुझे उन पर बहुत गर्व है। आप सभी उनके लिए हमेशा प्यार और समर्थन बनाए रखें। सभी का दिल से धन्यवाद। अभिनेत्री ने शो में शानदार प्रदर्शन किया था। वे इस शो में अपने पति विक्रांत सिंह के साथ नजर आई थीं। हालांकि, मोनालिसा बाहर आ गई हैं, लेकिन उनके पति शो में ही हैं। शो का कॉन्सेप्ट बाकी रियलिटी शो से थोड़ा सा अलग है।

बनिजय एशिया का रियलिटी शो 'द 50' जियो हॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम हो रहा है। शो में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला के साथ रिद्धि डोगरा, करण पटेल, मिस्टर फैजू, मोनालिसा, विक्रांत सिंह, दिव्या अग्रवाल, शाइनी दोशी, दुष्यंत कुकरेजा, शिव ठाकरे, नीलम गिरी, डिंपल सिंह, चाहत पांडे, हामिद बार्कजी, सुमायरा शेख, लवकेश कटारिया, नेहल चुडासमा, सपना चौधरी, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, वंशज सिंह, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य सितारे नजर आ रहे हैं।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी सारी फिल्में कर पाऊंगा : अनिल कपूर

मुंबई/भाषा। अभिनेता अनिल कपूर ने अपने 40 से अधिक वर्षों के करियर में हर तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। बॉलीवुड सितारे का कहना है कि सिनेमा में उनका शानदार सफर उनके अंदर के अभिनेता को लगातार प्रेरित करता है और उसे चुनौती देता रहता है।

कपूर अपनी अगली फिल्म सूबेदार में एक सेवानिवृत्त सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं और उन्होंने कहा कि इस फिल्म के एक्शन दृश्यों ने उनकी खूब परीक्षा ली। उन्होंने यह पत्रकारों से कहा, मैं दर्शकों, मीडिया, अपने सभी दोस्तों, सह-कलाकारों, अभिनेत्रियों और निर्देशकों का तहे दिल से आभारी हूं। यह अनुभव बेहद शानदार और संतोषजनक रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी फिल्में करूंगा और आप सबके सामने बैठूंगा। उन्होंने कहा, यह सब देखकर मुझे लगता है कि मुझे और मेहनत करनी चाहिए, अच्छी फिल्में करनी चाहिए और अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहिए। अपने द्वारा निभाए गए सभी किरदारों को देखकर मुझे प्रेरणा मिलती है।यह फिल्म सूबेदार अर्जुन सिंह की कहानी है, जो आम जीवन से जूझते हुए अपनी बेटी के साथ तनावपूर्ण रिश्ते और सामाजिक अव्यवस्था से निपटते हैं।सूबेदार का निर्माण 'अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट', 'ओपनिंग इमेज' और 'अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड' ने किया है। यह फिल्म भारत सहित दुनिया भर में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में प्राइम वीडियो पर पांच मार्च को प्रदर्शित होगी।

गलगोटिया विवाद पर विवेक अग्निहोत्री ने उठाए सवाल, शिक्षा तंत्र की परतें खोलीं

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्ममेकर और लेखक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के रोबोटिक कुत्ते विवाद का विश्लेषण करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने इसे महज एक घटना नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा और इनोवेशन सिस्टम की कमजोरी का प्रतीक बताया है। विवाद की शुरुआत हाल ही में दिल्ली में हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से हुई। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पवेलियन में एक चार पैरों वाला रोबोटिक कुत्ता खड़ा दिखाया गया। इसे 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और 'एआई लीडरशिप' के तौर पर प्रचारित किया गया, लेकिन जांच में पता चला कि यह रोबोट चीनी कंपनी यूनिट्री रोबोटिक्स का कमर्शियल प्रोडक्ट था, न कि यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित।

विवाद बढ़ने पर स्टॉल खाली करवाया गया और माफी मांगी गई। विवेक अग्निहोत्री ने लिखा कि यह घटना रोबोट के बारे में नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता के बारे में है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी इम्पोर्ट करना गलत नहीं है। दुनियाभर के देश ऐसा करते हैं, लेकिन इसे अपनी इन्वेंशन दिखाना एंग्जायटी और एडवांस्ड दिखने की जल्दबाजी को दिखाता है। यह एक ऐसे सिस्टम की तस्वीर है जो ओरिजिनल रिसर्च से ज्यादा दिखावा को महत्व देता है।

उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। प्राइवेट यूनिवर्सिटी अक्सर पॉलिटिकल और बिजनेस हितों से जुड़ी होती हैं। यहां एजुकेशन रेवेन्यू का जरिया बन जाती है, कैंपस इवेंट वेन्यू बन जाते हैं और रिसर्च ब्रांडिंग के मुकाबले पीछे रह जाती है। एआई जैसी क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी को फेस्टिवल थीम या ब्रोशर की सजावट की तरह लिया जा रहा है, जबकि यह सभ्यता बदलने वाली ताकत है। विवेक रंजन ने प्राचीन भारत का जिक्र करते हुए बताया कि नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसी यूनिवर्सिटी दुनियाभर से छात्रों को आकर्षित करती थीं। वहां डिबेट, स्कॉलरशिप और सवाल पूछने को बढ़ावा मिलता था। आज हम क्रेडिबिलिटी, इंटेलेक्चुअल ईमानदारी और इमैजिनेशन को जला रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन फाउंडेशनल मॉडल डेवलपमेंट में बहुत आगे हैं। उनकी प्राइवेट लैब और यूनिवर्सिटी बड़े कंप्यूट बजट और रिसर्च ऑटोनॉमी के साथ काम करती हैं।

उन्होंने पूछा, आज का खिलजी कौन है? विदेशी हमलावर या वह सिस्टम जो पूछताछ की जगह तमाशा पसंद करता है? एआई के दौर में भारत अगर सिर्फ परफॉर्मेंस देता रहा तो हम दूसरों की इंटेलिजेंस के कंज्यूमर बन जाएंगे। अमेरिका और चीन फाउंडेशनल मॉडल बना रहे हैं, जबकि भारत अभी फ्रेमवर्क पर बहस कर रहा है। विवेक ने सुझाव दिया कि भारत में यूनिवर्सिटी को पॉलिटिक्स से अलग रखने और एकेडमिक ऑटोनॉमी कानूनी रूप से सुरक्षित करने को लेकर तुरंत कदम उठाने चाहिए। एआई को इंटीग्रेशन के स्तर पर लाना और गवर्नेंस, हेल्थ, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में इसका इस्तेमाल करना जरूरी है। विवेक ने कहा कि पहली बस भले चूक गई हो, लेकिन अगला पड़ाव अभी बाकी है। लेकिन इसके लिए थिएटर नहीं, असली एक्शन चाहिए।

वैष्णव महाविद्यालय में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता पर मिली जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय अरुमबाकम् में बुधवार को हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) की साहित्यिक संस्था 'दर्पण' द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था 'हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम'। कार्यक्रम का शुभारंभ बीकॉम की छात्रा मानसी ने प्रार्थना से की। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता पर अपनी बात रखी और कहा कि हिन्दी पत्रकारिता से आज सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में अनेक रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं इसी को ध्यान में रखते हुए आज इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि वैष्णव कॉलेज का हिन्दी विभाग हमेशा हिन्दी में आधुनिक समय के अनुरूप छात्रों के लिए कार्यक्रम कराने को लेकर प्रतिबद्ध है। डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने भी अपनी बात रखी और बताया कि उन्होंने भी अपने जीवन की शुरुआत एक पत्रकार के तौर पर की फिर उसमे मास्टर एवं पीएचडी भी की। एक सच्चे पत्रकार का जीवन सदैव मुश्किलों से घिरा होता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू , सचिव अशोक कुमार मूँदड़ा तथा कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया ने भी कार्यशाला के आयोजन के लिए हिन्दी विभाग को अपनी शुभकामनाएं दी।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में दूरदर्शन के लिए स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर रहे रितेश रंजन ने छात्रों से पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं के बारें में बताते हुए इसकी आवश्यकता का महत्व बताया। उन्होंने बहुत ही विस्तार से छात्रों से चर्चा की और ज्यादा से ज्यादा डिजिटल प्लेटफ़ार्म का प्रयोग कर संपूर्णता को प्राप्त करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि हिन्दी ज्ञान की भाषा है जिसके अनुवाद का क्षेत्र विज्ञान और वाणिज्य में भी उतना ही है जितना जितना अँग्रेजी या अन्य किसी भाषा में। आज हिन्दी बाजार की भाषा बन चुकी है इसलिए इसमें रोजगार के अवसर भी बढ़ चुके हैं। हम सभी को अधिक से अधिक भाषाएँ सीखनी चाहिए यह हमारा मजबूत पक्ष है। कार्यशाला में छात्रों से चर्चा सत्र के दौरान उन्होने मीडिया में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी । उन्होंने कहा की आज के विद्यार्थी में न्यू मीडिया के रूप मे प्रचलित सोशल मीडिया के विभिन्न क्षेत्र यूट्यूब , लिंकडीन, इंस्टाग्राम आदि कमाई के बड़े अवसर हैं । आप सभी को रोज कुछ ना कुछ लिखना चाहिए । लिखने से ही आप इस क्षेत्र में अधिक लाभ कमा सकते हैं । उन्हांने कहा कि प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में भी अवसर की कमी नहीं है बस आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के सवालों के उत्तर भी उन्होने दिये। हिन्दी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुनील पाटिल ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। हिन्दी विभाग शिफ्ट-1 की सहायक प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता शाह ने कार्यक्रम का संचालन किया और अंत में सभी को धन्यवाद दिया।

'एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार का निर्माण करती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग ने हेल्थ एंड न्यूट्रीशन पहल के तहत 'बेटर आर्ट ऑफ लिविंग-एजिंग ग्रेसफुली' विषय पर एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन फेडरेशन ऑफ़ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) में किया। कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार का निर्माण करती है और स्वस्थ परिवार ही सशक्त समाज की नींव होता है।

जीतो साउथ चैप्टर के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने लेडीज विंग की सक्रियता की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत प्रासंगिक हैं। मुख्य वक्ता अरुण ऋषि ने संतुलित आहार, नियमित तेल मालिश, एक्युप्रेशर, पारंपरिक बर्तनों के उपयोग और सात्विक भोजन जैसी प्राकृतिक जीवन पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

'मातृछाया' द्वारा 'क्वीन टाइम-मातृछाया के साथ' का हुआ ऑडिशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'क्वीन टाइम-मातृछाया के साथ' कार्यक्रम के अंतर्गत आरवी रोड स्थित अरिहंत कॉलेज में '90 सेकंड पावर स्पीच ऑडिशन' का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने स्वागत भाषण में संगठन की सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों का उल्लेख करते हुए महिला शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नारी केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने मातृछाया के उद्देश्य एवं उसके सामाजिक योगदान का विस्तृत परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि जब नारी अपने विचारों को सशक्त मंच पर प्रस्तुत करती है, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा स्वयं प्रशस्त हो जाती है। निर्णायकों का परिचय संयोजक नीलम ललवानी ने कराया। सचिव रेशमा बडोला ने कहा कि महिला दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि नारी के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और उसकी असीम संभावनाओं को पहचानने का संकल्प दिवस है। उषा नाहर एवं मधु कटारिया निर्णायिका के रूप में उपस्थित थीं। ऑडिशन में लगभग 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर संगठन की त्रिशला दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, मीना सोनीगरा, पुष्पा नागोरी आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

करुणा इंटरनेशनल द्वारा 'पर्यावरण जागरूकता रैली' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अलाथुर स्थित उदवुम ननबर्गल स्कूल में करुणा इंटरनेशनल के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिए। यह लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी रैली थी, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। रैली के दौरान बच्चों ने पर्यावरण बचाओ, पानी की बर्बादी रोकें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें तथा अधिक से अधिक पौधे लगाएं जैसे संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। करुणा इंटरनेशनल की अध्यक्षा निरुमला वसंत छल्लाणी ने बताया कि विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ रैली में भाग लिया। इस कार्यक्रम में स्कूल के संस्थापक पार्थसारथी, प्रिंसिपल सुप्रिया, वसंत छल्लाणी तथा सभी शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई ।

बीजेएस ने कैंसर जागरूकता के लिए आयोजित की ऑनलाइन बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस) कोयंबतूर द्वारा रविवार को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर क्रूसेडर्स नामक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कैंसर जैसी घातक बीमारी के बारे में जानकारी स्थानीय रामकृष्ण हॉस्पिटल की डॉ भारती सिंह द्वारा दी गई। डॉ भारती सिंह ने विभिन्न प्रकार के कैंसर,रोकथाम एवं स्वपरीक्षण के बारे में विस्तार से बताया ।कार्यक्रम में करीब 60 लोगों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष रेखा रांका ने सभी का स्वागत किया। पीयूष पोकरना द्वारा कैंसर की बीमारी के लिए विशेष मेडिक्लेम पालिसी की जानकारी दी गई । संचालन नीलेश चोरड़िया ने किया। इस बैठक में बीजेएस तमिलनाडु के सचिव राजेश पोकरना, संघठन मंत्री धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल, चैप्टर अध्यक्ष राकेश गोलेच्छा उपस्थित थे। अंत में महिला विंग सचिव संगीता सुराणा द्वारा धन्यवाद दिया गया। महिला विंग अध्यक्षा सपना लोढ़ा, ममता सुराणा, रीना पोरवाल, धीरज खींचा आदि का विशेष सहयोग रहा ।

दुगड़ बने एसएस जैन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष व बोहरा बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एसएस जैन नवयुवक मंडल अयनावरम की वार्षिक साधारण सभा सोमवार को जैन भवन में संपन्न हुई। सभा में मंत्री द्वारा द्विवार्षिक रिपोर्ट व कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। वर्ष 2026-28 के लिए नए पदाधिकारी का चयन किया गया जिसमें चेयरमैन महावीर बांठिया, अध्यक्ष सुरेश दुगड़, उपाध्यक्ष विनोद खींवसरा व अनिल सिसोदिया,मंत्री रूपेश बोहरा,सहमंत्री मुकेश दुगड़ व सुनील खारीवाल, कोषाध्यक्ष शांतिलाल रांका एवं सलाहकार ज्ञानचंद रांका, दिनेश सुराणा व पदम तातेड़ के रूप में सर्व सम्मति से चयन किया गया।

माइटी बेगवानी टीम ने 'आरबीसीएल बैद कप' पर कब्जा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एक रिसोर्ट में राजलदेसर परिषद का होली मिलन आयोजित किया गया जिसमें पहली बार आयोजित बाक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 'आरबीसीएल-1' बैद कप का आयोजन हुआ। इस व्यवस्था संभाली। टीम में चार टीमों ने भाग लिया। माइटी बेगवानी टीम ने जीएम मेवरिक टीम को हराकर 'बैद कप' का ताज अपने नाम किया।

इस आयोजन में महिला सदस्याओं द्वारा राजलदेसर की बहन बेटियों का सम्मान किया गया। महिला सदस्याओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम व मनोरंजक खेल आयोजित किए। बाक्स क्रिकेट के संयोजक मनीष बेगवानी, अर्पित बैद, लक्ष्य चिंडालिया, महिला विंग से कंचन नाहर, कविता नाहटा, संगीता हीरावत आदि ने व्यवस्था संभाली। अध्यक्ष विमल बैद ने सभी का स्वागत किया। मंत्री कुलदीप बैद ने संचालन किया।

निशुल्क नेत्र शिविर में 54 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 38वां निशुल्क नेत्र शिविर बुधवार को लगाया गया। यह शिविर नेमीचंद कमलादेवी सिंघवी परिवार, संगम ग्रुप और एमएन आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। इस शिविर में महिपाल सिंघवी, रणजीत शाह, सुंदरलाल, डॉ.योगिता और हितेश जैन का योगदान था। शिविर में 54 लोगों ने आंखों की निशुल्क जांच कराई। नौ लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 3 की मोतियाबिंदु सर्जरी की जाएगी।

बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पर नफरती भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज

यादगीर। कर्नाटक के यादगीर जिले में शिवाजी जयंती समारोह के दौरान नफरत फैलाने वाला भाषण देने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिले के गुरुमठकल कस्बे में 21 फरवरी को शिवाजी जयंती के अवसर पर एक भव्य जुलूस के बाद आयोजित कार्यक्रम में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और तभी यह घटना हुई। प्राथमिकी के अनुसार, यतनाल ने अपने भाषण के दौरान कथित तौर पर कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं। उन्होंने एक विशेष समुदाय को निशाना बनाते हुए एक हिंदी कविता उद्धृत की और महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी कहा। उन्होंने कथित तौर पर एक विशेष समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाते हुए लव जिहाद का भी जिक्र किया और कुछ ऐतिहासिक हस्तियों पर अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस ने बताया कि इस भाषण के बाद समाचार और सोशल मीडिया मंचों पर तीखी प्रतिक्रिया आई, जिसमें कई लोगों ने नेता पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाया। भाषण की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच और उसकी प्रतिलिपि तैयार करने सहित प्रारंभिक जांच के बाद जिला पुलिस कार्यालय से कानूनी राय मांगी गई। प्राप्त राय के आधार पर 23 फरवरी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना तथा सद्भाव बिगाड़ने के लिए हानिकारक कार्य करना), 299 (किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य करना, उसके धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान करना) समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

वार्षिकोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजाजीनगर स्थित एमईएस महाविद्यालय द्वारा 'चतुरार्थ-2026' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 20 से भी ज्यादा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में सपने बड़े देखो, मेहनत से सब कुछ संभव है। महाविद्यालय की प्राचार्य शारदा, प्रोफेसर वज्रेश्वरी एवं विद्यार्थियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.